Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-18, अंक-17 01-15 सितम्बर, 2023 (पाक्षिक) ₹20

'प्रधानमंत्रीजी का उद्बोधन देश के विश्वास एवं सामर्थ्य को प्रतिबिंबित करनेवाला'

77वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

'अमृतकाल मां भारती के लिए कुछ कर गुजरने का काल है'

भाजपा मुख्यालय (नई दिल्ली) में 15 अगस्त, 2023 को
77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते
भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

हावड़ा (कोलकाता) में 12 अगस्त, 2023 को
क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद् के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते
भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में 14 अगस्त, 2023 को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस'
कार्यक्रम को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

18 अगस्त, 2023 को क्षेत्रीय पंचायती राज सम्मेलन में भाजपा दादर नगर
हवेली और दमन दीव द्वारा भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का
अभिनंदन किया गया

अटल बिहारी वाजपेयी सभागार (ग्वालियर) में 20 अगस्त, 2023 को मध्य
प्रदेश वृहद कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते
केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) में 21 अगस्त, 2023 को कल्याण सिंह जी की दूसरी
पुण्यतिथि के अवसर पर 'हिंदू गौरव दिवस' को संबोधित करते
केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

कमल संदेश
पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 **देश पंचप्रण को समर्पित हो, एक नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है: नरेन्द्र मोदी**

मेरे प्रिय 140 करोड़ परिवारजन, दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और अब बहुत लोगों का अभिप्राय है ये जनसंख्या की दृष्टि से भी हम विश्व में नंबर एक पर हैं। इतना बड़ा विशाल देश, 140 करोड़ देशवासी, ये मेरे भाई-बहन, मेरे परिवारजन...

16 **प्रधानमंत्रीजी का उद्बोधन देश के विश्वास एवं सामर्थ्य को प्रतिबिंबित करनेवाला : जगत प्रकाश नड्डा**

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ...

18 **हम संगठन, संस्कार और समर्पण में विश्वास करते हैं : नरेन्द्र मोदी**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 18 अगस्त, 2023 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 'क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद्' के कार्यक्रम में...

20 **'राज्य में विषम परिस्थितियों में भाजपा उम्मीदवार जीते, वे प्रशंसा के हकदार हैं'**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 अगस्त, 2023 को पश्चिम बंगाल में आयोजित क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद् में पार्टी के पूर्वी भारत के...

22 **पिछले पांच सालों में साढ़े तेरह करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं: नरेन्द्र मोदी**

देश की जनता ने हमारी सरकार के प्रति बार-बार जो विश्वास जताया है, उसके लिए...

लिंक्डइन (LINKEDin) पर प्रधानमंत्री

भारत की बढ़ती समृद्धि 17

लेख

प्रधानमंत्री मोदीजी का स्वतंत्रता दिवस भाषण एक उज्ज्वल भारत के लिए स्पष्ट आह्वान था / पीटी उषा 32

अन्य

देश में भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण के खिलाफ माहौल बनाएं : जगत प्रकाश नड्डा 19

'राज्य सरकार को अदालत से भी फटकार लगी और ममता दीदी सबूत मांगती हैं!' 21

यह सरकार गरीबों के लिए काम करने वाली सरकार है: अमित शाह 25

कांग्रेस की समझौतावादी नीतियों की वजह से ही भारतवासियों को विभाजन का दंश झेलना पड़ा 27

संसद के दोनों सदनों से कुल 23 विधेयक पारित 28

सिटी बस संचालन के विस्तार हेतु 'पीएम-ई-बस सेवा' को मिली मंजूरी 30

जन धन खातों की संख्या हुई 50 करोड़ से अधिक 31

मोदी स्टोरी 33

कमल पुष्प 33

77वां स्वतंत्रता दिवस: जम्मू-कश्मीर में खचाखच भरे बख्शी स्टेडियम में लोगों ने मनाया जश्न 34

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

X

नरेन्द्र मोदी

भारतीय जनता पार्टी संगठन, संस्कार और समर्पण में विश्वास करती है, इसलिए इसके कार्यकर्ता ही इसकी मूलभूत शक्ति हैं।

(18 अगस्त, 2023)

जगत प्रकाश नड्डा

श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे जी का जीवन राष्ट्रोत्थान, जनसेवा व संगठन को समर्पित रहा। अपने संगठन कौशल, परिश्रम व दूरदर्शिता से उन्होंने असंख्य कार्यकर्ताओं को राष्ट्रभक्ति, जनकल्याण व राष्ट्रवाद की भावना से संचरित किया। आज उनकी जयंती पर ऐसे महापुरुष को शत-शत नमन करता हूं।

(15 अगस्त, 2023)

अमित शाह

पर्यावरण संरक्षण हमारी संस्कृति रही है। उसी संस्कृति को आगे बढ़ाते हुए मोदीजी ने क्लाइमेट चेंज और ग्रीन इनिशिएटिव के माध्यम से भारत को दुनिया का लीडर बनाया है।

(18 अगस्त, 2023)

राजनाथ सिंह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में आज 13000 करोड़ की 'पीएम विश्वकर्मा योजना' को मंजूरी दी गई है। यह योजना भारत के छोटे कामगारों और कारीगरों के लिए उम्मीद और विकास की नई संभावनाओं को जन्म देगी। इस योजना से क़रीब तीस लाख परिवारों को सहायता प्राप्त होगी। इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्रीजी का आभार!

(16 अगस्त, 2023)

बी.एल. संतोष

लोगों के लावारिस पैसों का पता लगाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने उदगम पोर्टल का शुभारंभ किया है। उदगम पोर्टल पर 7 बैंक (एसबीआई, पीएनबी, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, धनलक्ष्मी बैंक, साउथ इंडियन बैंक, डीबीएस बैंक, सिटीबैंक) उपलब्ध हैं। धन्यवाद, श्री नरेन्द्र मोदी!

(18 अगस्त, 2023)

निर्मला सीतारमण

नई शिक्षा नीति 2020 एक बहुत ही प्रगतिशील नीति है। यह विभिन्न लोगों के एक साथ चर्चा कर और व्यापक विचार-विमर्श का परिणाम है। एनईपी एक लचीली नीति है। यह ऐसा कुछ नहीं है जिसे केंद्र तय करता है और सभी राज्यों पर थोपता है। यह एक व्यापक रूपरेखा है और राज्यों को अपनी आवश्यकताओं के अनुसार इसे अनुकूलित करने के लिए छोड़ दिया गया है।

(17 अगस्त, 2023)

कमल संदेश परिवार की ओर से
सुधी पाठकों को
श्री कृष्ण जन्माष्टमी (7 सितम्बर)
की हार्दिक शुभकामनाएं!

असीम संभावनाओं से भरा भारत

देश के 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'अमृतकाल' को 'कर्तव्य-काल' का नाम देते हुए हर भारतीय को उनके कर्तव्यबोध की ओर प्रेरित किया है। लालकिले की प्राचीर से राष्ट्र के नाम अपने 10वें संबोधन में उन्होंने 2047 तक 'विकसित भारत' के संकल्प को दुहराया। साथ ही, उन्होंने भारत को असीम संभावनाओं एवं युवाओं की अद्भुत क्षमता के बल पर 'अमृतकाल' के इस स्वप्न के साकार होने पर विश्वास व्यक्त किया। हजार वर्षों के गुलामी के कालखंड में विपरीत परिस्थितियों के सामने भारत के नायकों के अविस्मरणीय संघर्ष को याद करते हुए उन्होंने वर्तमान के सुनहरे अवसरों से आने वाले हजार वर्षों की नींव डालने की बात कही। उन्होंने कहा कि राष्ट्र आज हजार वर्षों की गुलामी एवं हजार वर्षों के सुनहरे भविष्य के मध्य खड़ा है। 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के मंत्र से राष्ट्र की नींव सुदृढ़ होगी, जिससे आने वाले हजार वर्षों के भारत का निर्माण होगा। आज जब भारत गुलामी की मानसिकता से निकल रहा है तथा 'पंच प्रण' के सिद्धांतों के लिए प्रतिबद्ध है, मां भारती जाग चुकी हैं तथा इसकी 140 करोड़ संतानें नए आत्मविश्वास से परिपूर्ण है। आज, जब भारत अपनी नियति को प्राप्त करने को उन्मुख है, पूरा विश्व इसका स्वागत करने को तत्पर है।

> **आज जब भारत गुलामी की मानसिकता से निकल रहा है तथा 'पंच प्रण' के सिद्धांतों के लिए प्रतिबद्ध है, मां भारती जाग चुकी है तथा इसकी 140 करोड़ संतानें नए आत्मविश्वास से परिपूर्ण है**

पिछले नौ वर्षों में भारत की अद्भुत उपलब्धियों को ठीक से समझा जा सकता है, यदि इन्हें 2014 के पूर्व की परिस्थितियों के संदर्भ में देखा जाए। कांग्रेसनीत यूपीए के उस दौर में जब कुशासन, भ्रष्टाचार, जनता के धन की लूट तथा 'पॉलिसी पैरालिसिस' से पूरा देश त्रस्त था, जन-जन के मन में निराशा का भाव घर कर चुका था। भविष्य के लिए कोई आशा दिखाई नहीं दे रही थी तथा राष्ट्र की ऊर्जा दिनों-दिन क्षीण होती प्रतीत हो रही थी। उस दौर की नकारात्मकता की तुलना में आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ऊर्जावान एवं करिश्माई नेतृत्व में देश अविश्सनीय ऊंचाइयों को छू रहा है तथा भारत की असीम संभावनाओं को पूरा विश्व स्वीकार कर रहा है। राष्ट्र को अपने संबोधन में प्रधानमंत्रीजी ने न केवल विभिन्न क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियों को रेखांकित किया, बल्कि हर योजना-परियोजना को पूर्व से कई गुणा अधिक हुए बजटीय आवंटन से देश को अवगत कराया। पिछले नौ वर्षों के 'रिफॉर्म्स', के साथ-साथ उच्च स्तरीय 'परफॉर्मेंस' से पूरे देश में 'ट्रांस्फॉर्मेशन' हुआ है जिससे हर क्षेत्र में 'स्पीड एवं स्केल' में भारी वृद्धि हुई है। 'रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांस्फार्म' का ही परिणाम है कि आज प्रदेशों को यूपीए दौर के दस वर्षों के 30 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर पिछले नौ वर्षों में 100 लाख करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए हैं। इतना ही नहीं, स्थानीय निकायों को 70 हजार करोड़ रुपए से बढ़कर 3 लाख करोड़ रुपए तथा पक्का घर निर्माण के लिए 90 हजार करोड़ रुपए से बढ़कर 4 लाख करोड़ रुपए दिए जा रहे हैं। देश के छोटे एवं सीमांत किसानों के बैंक खातों में 2.6 लाख करोड़ रुपए से अधिक राशि सीधे हस्तांतरित की जा चुकी है। जिस प्रकार से चुनौतियों को अवसरों में बदलते हुए देश ने कोविड-19 वैश्विक महामारी का सामना किया तथा पूरे विश्व के साथ एकजुट हो अनेक देशों की सहायता की, आज मानवता के लिए भारत की प्रतिबद्धता को पूरे विश्व में सराहा जा रहा है। आज जब अनेक विकसित देश अब भी कोविड-19 वैश्विक महामारी के दुष्प्रभावों से पूरी तरह से उबर नहीं सके हैं, भारत तीव्र गति से आगे बढ़ते हुए विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना चुका है। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत की उपलब्धियां किसी को भी अचंभित करने वाली है।

जहां अनेक अभिनव योजनाओं से पूरे देश में व्यापक परिवर्तन हुआ है, विश्वकर्मा योजना की घोषणा, दो करोड़ लखपति दीदी तैयार करने का लक्ष्य, जन-औषधि केंद्रों के विस्तार और ऐसी अनेक पहलों से देश के गरीब एवं मध्यमवर्ग का व्यापक सशक्तीकरण होगा। प्रधानमंत्रीजी ने भ्रष्टाचार, परिवारवाद एवं तुष्टीकरण की राजनीति से मुक्ति का आह्वान करते हुए इन बुराइयों से लड़ने का संकल्प दुहराया है।

देश की जनता को अपने 'परिवारजन' के रूप में संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जन-जन से अपने भावनात्मक संबंध को दुहराया। साथ ही, उन्होंने देश की जनता के साथ उनके परिवारजन के रूप में खड़ा रहने एवं उनके लिए अनथक प्रयास करने के अपने संकल्प को देश के समक्ष रखा। आज, जब देश विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, पूरा विश्व एक उत्साह एवं आत्मविश्वास से भरे भारत का साक्षात्कार कर रहा है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

> सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय, एक के बाद एक फैसले लेंगे, आने वाले एक हजार साल का देश का स्वर्णिम इतिहास उससे अंकुरित होने वाला है

भारत का 77वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

देश पंचप्रण को समर्पित हो, एक नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त को देश के 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से करीब 90 मिनट तक राष्ट्र को संबोधित किया, जो प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र के नाम उनका 10वां संबोधन था। राष्ट्र को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने देशवासियों से आग्रह किया कि वे देश की क्षमता को साकार करने के इस अवसर को हाथ से न जाने दें, क्योंकि इस अवधि में लिए गए निर्णय और की गई त्याग-तपस्या अगले 1,000 वर्षों तक देश को प्रभावित करेंगे। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि वह 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में देखना चाहते हैं। यहां प्रस्तुत है प्रधानमंत्री श्री मोदी के संबोधन के प्रमुख अंश:

मेरे प्रिय 140 करोड़ परिवारजन, दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और अब बहुत लोगों का अभिप्राय है ये जनसंख्या की दृष्टि से भी हम विश्व में नंबर एक पर हैं। इतना बड़ा विशाल देश, 140 करोड़ देशवासी, ये मेरे भाई-बहन, मेरे परिवारजन आज आजादी का पर्व मना रहे हैं। मैं देश के कोटि-कोटि जनों को, देश और दुनिया में भारत को प्यार करने वाले, भारत का सम्मान करने वाले, भारत का गौरव करने वाले कोटि-कोटि जनों को आजादी के इस महान पवित्र पर्व की अनेक-अनेक शुभकामनाएं देता हूं।

पूज्य बापू के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन, सत्याग्रह मूवमेंट और भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू जैसे अनगिनत वीरों का बलिदान, उस

पीढ़ी में शायद ही कोई व्यक्ति होगा जिसने देश की आजादी में अपना योगदान न दिया हो। मैं आज देश की आजादी की जंग में जिन-जिन ने योगदान दिया है, बलिदान दिए हैं, त्याग किया है, तपस्या की है, उन सबको आदरपूर्वक नमन करता हूं, उनका अभिनंदन करता हूं।

आज 15 अगस्त महान क्रांतिकारी और अध्यात्म जीवन के रुचि तुल्य प्रणेता श्री अरविंदो की 150वीं जयंती पूर्ण हो रही है। ये वर्ष स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती का वर्ष है। ये वर्ष रानी दुर्गावती की 500वीं जन्मशती का बहुत ही पवित्र अवसर है जो पूरा देश बड़े धूमधाम से मनाने वाला है। ये वर्ष मीराबाई भक्ति योग की सिरमौर मीराबाई के 525 वर्ष का भी ये पावन पर्व है। इस बार जब हम 26 जनवरी मनाएंगे वो हमारे गणतंत्र दिवस की 75वीं वर्षगांठ होगी। अनेक प्रकार से अनेक अवसर, अनेक संभावनाएं राष्ट्र निर्माण में जुटे रहने के लिए पल-पल नई प्रेरणा, पल-पल नई चेतना, पल-पल सपने, पल-पल संकल्प, शायद इससे बड़ा कोई अवसर नहीं हो सकता।

जब हम इतिहास की तरफ नजर करते हैं तो इतिहास में कुछ पल ऐसे आते हैं जो अपनी अमिट छाप छोड़कर के जाते हैं और उसका प्रभाव सदियों तक रहता है और कभी-कभी शुरुआत में वो बहुत छोटा लगता है, छोटी सी घटना लगती है, लेकिन वो अनेक समस्याओं की जड़ बन जाती है। हमें याद है 1000-1200 साल पहले इस देश पर आक्रमण हुआ। एक छोटे से राज्य के छोटे से राजा का पराजय हुआ, लेकिन तब पता तक नहीं था कि एक घटना भारत को हजार साल की गुलामी में फंसा देगी और हम गुलामी में जकड़ते गए, जकड़ते गए, जकड़ते गए, जो आया लूटता गया, जो जिसका मन चाहा, हम पर आकर सवार हो गया। कैसा विपरीत काल रहा होगा, वो हजार साल का।

सदा जलती रही देश की आजादी की लौ

घटना छोटी क्यों न हो, लेकिन हजार साल तक प्रभाव छोड़ती रही है। लेकिन मैं आज इस बात का जिक्र इसलिए करना चाहता हूं कि भारत के वीरों ने इस कालखण्ड में कोई भू-भाग ऐसा नहीं था, कोई समय ऐसा नहीं था, जब उन्होंने देश की आजादी की लौ को जलता न रखा हो, बलिदान की परंपरा न बनाई हो। मां भारती बेड़ियों से मुक्त होने के लिए उठ खड़ी हुई थीं, जंजीरों को झकझोर रही थीं और देश की नारी शक्ति, देश की युवा शक्ति, देश के किसान, देश के गांव के लोग, मजदूर, कोई हिन्दुस्तानी ऐसा नहीं था, जो आजादी के सपने को लेकर के जीता न हो। आजादी को पाने के लिए मर-मिटने के लिए तैयार होने वालों की एक बड़ी फौज तैयार हो गई थी। जेलों में जवानी खपाने वाले अनेक महापुरुष हमारी देश की आजादी को, गुलामी के बेड़ियों को तोड़ने के लिए लगे हुए थे।

> “आज हमारे पास डेमोग्राफी है, आज हमारे पास डेमोक्रेसी है, आज हमारे पास डाइवर्सिटी है। डेमोग्राफी, डेमोक्रेसी और डाइवर्सिटी की ये त्रिवेणी भारत के हर सपने को साकार करने का सामर्थ्य रखती है। आज पूरे विश्व में वहां देशों की उम्र ढल रही है, ढलाव पर है; तो भारत यौवन की तरफ ऊर्जावान हो करके बढ़ रहा है”

जनचेतना का वो व्यापक रूप, त्याग और तपस्या का वो व्यापक रूप जन-जन के अंदर एक नए विश्वास जगाने वाला वो पल, आखिरकार 1947 में देश आजाद हुआ, हजार साल की गुलामी में संजोये हुए सपने देशवासियों ने पूरे करते हुए देखे।

मैं हजार साल पहले की बात इसलिए कह रहा हूं, मैं देख रहा हूं फिर एक बार देश के सामने एक मौका आया है, हम ऐसे कालखण्ड में जी रहे हैं, ऐसे कालखण्ड में हमने प्रवेश किया है और यह हमारा सौभाग्य है कि भारत के ऐसे अमृतकाल में, यह अमृतकाल का पहला वर्ष है या तो हम जवानी में जी रहे हैं या हम मां भारती की गोद में जन्म ले चुके हैं और ये कालखण्ड मेरे शब्द लिखकर के रखिए, इस कालखण्ड में जो हम करेंगे, जो कदम उठाएंगे, जितना त्याग करेंगे, तपस्या करेंगे। सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय, एक के बाद एक फैसले लेंगे, आने वाले एक हजार साल का देश का स्वर्णिम इतिहास उससे अंकुरित होने वाला है। इस कालखंड में होने वाली घटनाएं आगामी एक हजार साल के लिए इसका प्रभाव पैदा करने वाली हैं।

विश्व भर में भारत के प्रति एक नया आकर्षण

गुलामी की मानसिकता से बाहर निकला हुआ देश पंचप्रण को समर्पित हो, एक नए आत्मविश्वास के साथ आज आगे बढ़ रहा है। नए संकल्पों को सिद्ध करने के लिए वो जी-जान से जुड़ रहा है। मेरी भारत माता जो कभी ऊर्जा की सामर्थ्य थीं, लेकिन राख के ढेर में दबी पड़ी थी। वो भारत मां 140 करोड़ देशवासियों के पुरुषार्थ से, उनकी चेतना से, उनकी ऊर्जा से, फिर एक बार जागृत हो चुकी हैं। मां भारती जागृत हो चुकी हैं और मैं साफ देख रहा हूं दोस्तों, यही कालखंड है, पिछले 9-10 साल हमने अनुभव किया है। विश्व भर में भारत की चेतना के प्रति, भारत के सामर्थ्य के प्रति एक नया आकर्षण, नया विश्वास, नई आशा पैदा हुई है और ये प्रकाश पुंज जो भारत से उठा है वो विश्व को उसमें अपने लिए ज्योति नजर आ रही है। विश्व को एक नया विश्वास पैदा हो रहा है। हमारा सौभाग्य है कुछ ऐसी चीजें हमारे पास हैं जो हमारे पूर्वजों ने हमें विरासत में दी हैं और वर्तमान कालखंड ने गढ़ी हैं।

आज हमारे पास डेमोग्राफी है, आज हमारे पास डेमोक्रेसी है, आज हमारे पास डाइवर्सिटी है। डेमोग्राफी, डेमोक्रेसी और डाइवर्सिटी की ये त्रिवेणी भारत के हर सपने को साकार करने का सामर्थ्य रखती है। आज पूरे विश्व में वहां देशों की उम्र ढल रही है, ढलाव पर है; तो भारत यौवन की तरफ ऊर्जावान हो करके बढ़

रहा है। कितने बड़े गौरव का कालखंड है कि आज 30 साल की कम आयु की जनसंख्या दुनिया में सर्वाधिक कहीं है तो ये मेरे भारत मां की गोद में है। ये मेरे देश में है और 30 साल से कम उम्र के नौजवान हों, मेरे देश के पास हो, कोटि-कोटि भुजाएं हों, कोटि-कोटि मस्तिष्क हों, कोटि-कोटि सपने, कोटि-कोटि संकल्प हों तो हम इच्छित परिणाम प्राप्त करके रह सकते हैं।

देश का भाग्य ऐसी घटनाएं बदल देती हैं। ये सामर्थ्य देश के भाग्य को बदल देता है। भारत 1 हजार साल की गुलामी और आने वाले 1 हजार साल के भव्य भारत के बीच में पड़ाव पर हम खड़े हैं। एक ऐसी संधि पर खड़े हैं और इसलिए अब हमें न रुकना है, न दुविधा में जीना है।

हमें खोई हुई उस विरासत का गर्व करते हुए, खोई हुई समृद्धि को प्राप्त करते हुए हमें फिर एक बार और ये बात मान कर चलें, हम जो भी करेंगे, हम जो भी कदम उठाएंगे, हम जो भी फैसला लेंगे वो अगले 1 हजार साल तक अपनी दिशा निर्धारित करने वाला है। भारत के भाग्य को लिखने वाला है, मैं आज मेरे देश के नौजवानों को, मेरे देश की बेटे-बेटियों को ये जरूर कहना चाहूंगा, जो सौभाग्य आज मेरे युवाओं को मिला है, ऐसा सौभाग्य, शायद ही किसी को नसीब होता है, जो आपको नसीब हुआ है और इसलिए हमें ये गंवाना नहीं है। युवा शक्ति में मेरा भरोसा है, युवा शक्ति में सामर्थ्य है और हमारी नीतियां और हमारी रीतियां भी उस युवा सामर्थ्य को और बल देने के लिए हैं।

> “मैं विश्वास से देख रहा हूं कि जिस प्रकार से द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद दुनिया में एक नया वर्ल्ड ऑर्डर ने आकार लिया था। मैं साफ-साफ देख रहा हूं कि कोरोना के बाद एक नया विश्व ऑर्डर, एक नया ग्लोबल ऑर्डर, एक नया जियो-पॉलिटिकल इक्वेशन यह बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है”

दुनिया के पहले तीन स्टार्टअप इकोनॉमी में भारत

आज मेरे युवाओं ने दुनिया के पहले तीन स्टार्टअप इकोनॉमी सिस्टम में भारत को स्थान दिला दिया है। विश्व के युवाओं को अचम्भा हो रहा है— भारत के इस सामर्थ्य को लेकर के, भारत की इस ताकत को देखकर के। आज दुनिया टेक्नोलॉजी ड्रिवेन है और आने वाला युग टेक्नोलॉजी से प्रभावित रहने वाला है और तब टेक्नोलॉजी में भारत की जो टैलेंट है, उसकी एक नई भूमिका रहने वाली है। मैं मेरे देश के नौजवानों को कहना चाहता हूं कि अवसरों की कमी नहीं है, आप जितने अवसर चाहेंगे, ये देश आसमान से भी ज्यादा अवसर आपको देने का सामर्थ्य रखता है।

यह बात निश्चित है कि भारत का सामर्थ्य और भारत की संभावनाएं विश्वास की नई बुलंदियों को पार करने वाली हैं और यह विश्वास की नई बुलंदियां नये सामर्थ्य को ले करके चलनी चाहिए। आज देश में जी-20 समिट की मेहमाननवाजी का भारत को अवसर मिला है और पिछले एक साल से हिन्दुस्तान के हर कोने में जिस प्रकार से जी-20 के अनेक ऐसे आयोजन हुए हैं, उसने देश के सामान्य मानवी के सामर्थ्य को विश्व को परिचित करा दिया है। भारत की विविधता का परिचय कराया है। भारत की डायवर्सिटी को दुनिया अचम्भे से देख रही है और उसके कारण भारत के करीब आकर्षण बढ़ा है। भारत को जानने की, समझने की इच्छा जगी है। उसी प्रकार से आप देखिए, आज भारत का एक्सपोर्ट तेजी से बढ़ रहा है और मैं कहना चाहता हूं दुनिया के एक्सपर्टस इन सारे मानदंडों के आधार पर कह रहे हैं कि अब भारत रुकने वाला नहीं है।

दुनिया की कोई भी रेटिंग एजेंसी होगी वो भारत का गौरव कर रही है। कोरोना काल के बाद दुनिया एक नये सिरे से सोचने लगी है और मैं विश्वास से देख रहा हूं कि जिस प्रकार से द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद दुनिया में एक नया वर्ल्ड ऑर्डर ने आकार लिया था। मैं साफ-साफ देख रहा हूं कि कोरोना के बाद एक नया विश्व ऑर्डर, एक नया ग्लोबल ऑर्डर, एक नया जियो-पॉलिटिकल इक्वेशन यह बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। जियो-पॉलिटिकल इक्वेशन की सारी व्याख्याएं बदल रही हैं, परिभाषाएं बदल रही हैं। मेरे प्यारे परिवारजनों, आप गौरव करेंगे बदलते हुए विश्व को शेप देने में आज मेरे 140 करोड़ देशवासियों आपका सामर्थ्य नजर आ रहा है। आप निर्णायक मोड़ पर खड़े हैं।

आज भारत ग्लोबल साउथ की आवाज

आज भारत ग्लोबल साउथ की आवाज बन रहा है। भारत की समृद्धि, विरासत आज दुनिया के लिए एक अवसर बन रही है। ग्लोबल इकोनॉमी, ग्लोबल सप्लाई चेन में भारत की हिस्सेदारी, मैं पक्के विश्वास से कहता हूं, आज जो भारत में परिस्थिति पैदा हुई हैं, आज जो भारत ने कमाया है, वो दुनिया में स्थिरता की गारंटी ले करके आया है। अब न हमारे मन में, न 140 करोड़ मेरे परिवारजनों के मन में और न ही दुनिया के मन में कोई ifs हैं कोई buts हैं, विश्वास बन चुका है। अब गेंद हमारे पाले में है, हमें अवसर जाने नहीं देना चाहिए, हमें मौका छोड़ना नहीं चाहिए। भारत में मैं मेरे देशवासियों का इसलिए भी अभिनंदन करता हूं कि मेरे देशवासियों में एक नीर-क्षीर विवेक का सामर्थ्य है, समस्याओं की जड़ों को समझने का सामर्थ्य है और इसलिए 2014 में मेरे देशवासियों ने 30 साल के अनुभव के बाद तय किया कि देश को आगे ले जाना है तो स्थिर सरकार चाहिए, मजबूत सरकार चाहिए, पूर्ण बहुमत वाली सरकार चाहिए और देशवासियों ने एक मजबूत और स्थिर सरकार बनाई है। और तीन दशकों तक जो अनिश्चितता का काल था, जो अस्थिरता का कालखंड था, जो राजनीतिक मजबूरियों से देश जकड़ा हुआ था, उससे मुक्ति मिली।

देश के पास आज ऐसी सरकार है, वो 'सर्वजन हिताय सर्वजन

सुखाय' देश के संतुलित विकास के लिए समय का पल-पल और जनता की पाई-पाई जनता की भलाई के लिए लगा रही है और मेरी सरकार, मेरे देशवासियों का मान एक बात से जुड़ा हुआ है, हमारे हर निर्णय, हमारी हर दिशा, उसका एक ही मानदंड है Nation First राष्ट्र प्रथम और राष्ट्र प्रथम यही दूरगामी परिणाम, सकारात्मक परिणाम पैदा करने वाला है। देश में बड़े स्तर पर काम हो रहा है, लेकिन मैं कहना चाहूंगा 2014 में आपने एक मजबूत सरकार बनाई और मैं कहता हूं 2014 में और 2019 में आपने एक सरकार फॉर्म की तो मोदी में रिफॉर्म करने की हिम्मत आई। जब मोदी ने एक के बाद एक रिफॉर्म किए तो मेरे ब्यूरोक्रेसी के लोग, मेरे लाखों हाथ-पैर, जो हिन्दुस्तान के कोने-कोने में सरकार के हिस्से के रूप में काम कर रहे हैं, उन्होंने ब्यूरोक्रेसी ने ट्रांसफॉर्म करने के लिए परफॉर्म करने की जिम्मेदारी बखूबी निभाई और उन्होंने परफॉर्म करके दिखाया और जनता-जनार्दन जुड़ गई तो वो ट्रांसफॉर्म होता भी नजर आ रहा है और इसलिए 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' ये कालखंड अब भारत के भविष्य को गढ़ रहा है।

दुनिया को युवा शक्ति, युवा स्किल की जरूरत

हमारी सोच देश की उस ताकतों को बढ़ावा देने पर है, जो आने वाले एक हजार साल की नींव को मजबूत करने वाले हैं। दुनिया को युवा शक्ति की जरूरत है, युवा स्किल की जरूरत है। हमने अलग स्किल मिनिस्ट्री बनाई, वो भारत की आवश्यकताओं को तो पूरा करेगी, वो दुनिया की आवश्यकताओं को भी पूर्ण करने की भी सामर्थ्य रखेगी। हमने जल शक्ति मंत्रालय बनाया। हमारे देश के एक-एक देशवासियों को पीने का शुद्ध पानी पहुंचे, पर्यावरण की रक्षा के लिए पानी के प्रति संवदेनशील व्यवस्थाएं विकसित हों उस पर हम बल दे रहे हैं। हमारे देश में कोरोना के बाद दुनिया देख रही है होलिस्टिक हेल्थ केयर ये समय की मांग है। हमने अलग आयुष मंत्रालय बनाया और योग और आयुष आज दुनिया में अपना परचम लहरा रहे हैं। हमारी प्रतिबद्धता के कारण विश्व का हमारे प्रति ध्यान गया है। अगर हम ही हमारे इस सामर्थ्य को नकार देंगे तो फिर दुनिया कैसे स्वीकर करेगी। लेकिन जब मंत्रालय बना तो दुनिया को भी उसका मूल्य समझ में आया।

मत्स्य पालन, हमारा इतना बड़ा समुद्री तट, हमारे कोटि-कोटि मछुआरे भाई-बहन उनका कल्याण भी हमारे दिलों में है और इसलिए हमने अलग से मत्स्य पालन को लेकर के, पशुपालन को लेकर के, डेयरी को लेकर के अलग मंत्रालय की रचना की ताकि समाज के जिस वर्ग के लोग पीछे रह गए उनको हम साथ दें। देश में सरकारी अर्थव्यवस्था के हिस्से होते हैं, लेकिन समाज की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा है सहकारिता आंदोलन। उसको बल देने के लिए, उसमें आधुनिकता लाने के लिए और देश के कोने-कोने में लोकतंत्र की एक सबसे बड़ी इकाई को मजबूत करने के लिए हमने अलग सहकारिता मंत्रालय बनाया और वो हमारी सहकारी संस्थाएं, उसका जाल बिछा रहा है ताकि गरीब से गरीब की वहां सुनवाई हो, उसकी आवश्यकताओं की पूर्ति हो और वो भी राष्ट्र के विकास के योगदान में एक छोटी इकाई का हिस्सा बनकर के उसमें वो योगदान दे सके। हमने सहकार से समृद्धि का रास्ता अपनाया है।

> "हमारी सोच देश की उस ताकतों को बढ़ावा देने पर है, जो आने वाले एक हजार साल की नींव को मजबूत करने वाले हैं। दुनिया को युवा शक्ति की जरूरत है, युवा स्किल की जरूरत है। हमने अलग स्किल मिनिस्ट्री बनाई, वो भारत की आवश्यकताओं को तो पूरा करेगी, वो दुनिया की आवश्यकताओं को भी पूर्ण करने की भी सामर्थ्य रखेगी"

भारत विश्व की अर्थव्यवस्था में 5वें नंबर पर

जब हम 2014 में आए थे, तो हम वैश्विक अर्थव्यवस्था में 10वें नंबर पर थे और आज 140 करोड़ देशवासियों का पुरुषार्थ रंग लाया है कि हम विश्व की अर्थव्यवस्था में 5वें नंबर पर पहुंच चुके हैं। ये ऐसे ही नहीं हुआ है जब भ्रष्टाचार का राक्षस देश को दबोचे हुए थे, लाखों-करोड़ के घोटाले अर्थव्यवस्था को डावाडोल कर रहे थे, गवर्नेंस, फ्रेजाइल फाइव में देश की पहचान होने लगी थी। लीकेजेज को हमने बंद किया, मजबूत अर्थव्यवस्था बनाई, हमने गरीब कल्याण के लिए ज्यादा से ज्यादा धन खर्च करने का प्रयास किया।

मैं 10 साल का हिसाब तिरंगे की साक्षी में लाल किले की प्राचीर से मेरे देशवासियों को दे रहा हूं। आंकड़े देखकर के आपको लगेगा इतना बड़ा बदलाव, इतना बड़ा सामर्थ्य। 10 साल पहले राज्यों को 30 लाख करोड़ रुपये भारत सरकार की तरफ से जाते थे। पिछले 9 साल में ये आंकड़ा 100 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा है। पहले स्थानीय निकाय के विकास के लिए भारत सरकार के खजाने से 70 हजार करोड़ रुपया जाता था, आज वो 3 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा जा रहा है। पहले गरीबों के घर बनाने के लिए 90 हजार करोड़ रुपया खर्च होता था, आज वो 4 गुना होकर के 4 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा खर्च गरीबों के घर बनाने के लिए हो रहा है। पहले गरीबों को यूरिया सस्ता मिले। जो यूरिया के बैग दुनिया के कुछ बाजारों में 3 हजार रुपये में बिकते हैं, वो यूरिया का बैग मेरे किसानों को 300 रुपये में मिले और इसलिए देश की सरकार 10 लाख करोड़ रुपया मेरे किसानों को यूरिया में सब्सिडी दे रही है। मुद्रा योजना 20 लाख करोड़ रुपये उससे भी ज्यादा मेरे देश के नौजवानों को स्वरोजगार के लिए, अपने व्यवसाय के लिए, अपने कारोबार के लिए दिए हैं। 8 करोड़ लोगों ने नया कारोबार शुरू किया है और 8

करोड़ लोगों ने कारोबार शुरू किया है, ऐसा नहीं, हर कारोबारी ने एक या दो, लोगों को रोजगार दिया है। 8-10 करोड़ नए लोगों को रोजगार देने का सामर्थ्य ये मुद्रा योजना से लाभ लेने वाले 8 करोड़ नागरिकों ने किया है।

MSMEs को करीब साढ़े तीन लाख करोड़ रुपए की मदद

MSMEs को करीब साढ़े तीन लाख करोड़ रुपए की मदद से कोरोना के संकट में भी उनको डूबने नहीं दिया, मरने नहीं दिया, उनको एक ताकत दी है। 'वन रैंक वन पेंशन', मेरे देश के सेना के जवानों का एक सम्मान का विषय था, 70 हजार करोड़ रुपया भारत की तिजोरी से आज पहुंचा है। मेरे निवृत्त सेना के नायकों के जेब में उनका परिवार में पहुंचा है। सभी कैटेगरी में मैंने तो कुछ ही गिनाएं हैं। हर कैटेगरी में पहले की तुलना में अनेक गुना धन देश के विकास के लिए कोने-कोने में रोजगार पैदा करने के लिए, पाई-पाई का उपयोग भारत का भाग्य बदलने के लिए हो और इसलिए हमने काम किया है।

इतना ही नहीं, हमने इन सारे प्रयासों का परिणाम है कि आज 5 साल के मेरे एक कार्यकाल में, 5 साल में साढ़े 13 करोड़ मेरे गरीब भाई-बहन गरीबी की जंजीरों को तोड़ करके न्यू मिडिल क्लास के रूप में बाहर आए हैं। जीवन में इससे बड़ा कोई संतोष नहीं हो सकता और जब साढ़े 13 करोड़ लोग गरीबी की इस मुसीबतों से बाहर निकलते हैं तो कैसी-कैसी योजनाओं ने उन्हें मदद दी है, उनको आवास योजना का लाभ मिलना, पीएम स्वनिधि से 50 हजार करोड़ रुपए रेहड़ी-पटरी वालों तक पहुंचाया है।

"जीवन में इससे बड़ा कोई संतोष नहीं हो सकता और जब साढ़े 13 करोड़ लोग गरीबी की इस मुसीबतों से बाहर निकलते हैं तो कैसी-कैसी योजनाओं ने उन्हें मदद दी है, उनको आवास योजना का लाभ मिलना, पीएम स्वनिधि से 50 हजार करोड़ रुपए रेहड़ी-पटरी वालों तक पहुंचाया है"

हर घर में शुद्ध पानी के लिए दो लाख करोड़ रुपए हुए खर्च

आने वाले दिनो में आने वाली विश्वकर्मा जयन्ती पर एक कार्यक्रम हम आगे लागू करेंगे, इस विश्वकर्मा जयन्ती पर हम करीब 13-15 हजार करोड़ रुपया से जो परम्परागत कौशल्य से रहने वाले लोग, जो औजार से और अपने हाथ से काम करने वाला वर्ग है, ज्यादातर ओबीसी समुदाय से हैं। हमारे सुनार हों, हमारे राजमिस्त्री हों, हमारे कपड़े धोने वाले काम करने वाले लोग हों, हमारे बाल काटने वाले भाई-बहन परिवार हों, ऐसे लोगों को एक नई ताकत देने के लिए हम आने वाले महीने में विश्वकर्मा जयन्ती पर विश्वकर्मा योजना लॉन्च करेंगे और करीब 13-15 हजार करोड़ रुपये से उसका प्रारंभ करेंगे। हमने पीएम किसान सम्मान निधि में ढाई लाख करोड़ रुपया सीधा मेरे देश के किसानों के खाते में जमा किया है। हमने जल जीवन मिशन हर घर में शुद्ध पानी पहुंचे, दो लाख करोड़ रुपया खर्च किया है। हमने आयुष्मान भारत योजना ताकि गरीब को बीमारी के कारण अस्पताल जाने से जो मुसीबत होती थी, उससे मुक्ति दिलाना। उसको दवाई मिले, उसका उपचार हो, ऑपरेशन हो अच्छे से अच्छे हॉस्पिटल में हो, आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 हजार करोड़ रुपये हमने लगाए हैं। कोरोना वैक्सीन की बात तो देश को याद है, 40 हजार करोड़ रुपये लगाए, वो तो याद है लेकिन आपको जानकर के खुशी होगी हमने पशुधन को बचाने के लिए करीब-करीब 15 हजार करोड़ रुपया पशुधन के टीकाकरण के लिए लगाया है।

जन औषधि केंद्रों ने देश के वरिष्ठ नागरिकों को, देश के मध्यम वर्गीय परिवार को एक नई ताकत दी है। जिस संयुक्त परिवार में अगर किसी को एक डायबिटिज जैसा हो जाए 2-3 हजार रुपये का बिल स्वाभाविक हो जाता है। हमने जन-औषधि केंद्र से जो दवाई बाजार में सौ रुपये में मिलती है वो 10 रुपये, 15 रुपये, 20 रुपये में दी और आज देश के 10000 जन-औषधि केंद्रों से इन बीमारी में जिनको दवाई की जरूरत थी, ऐसे लोगों के करीब 20 हजार करोड़ रुपया उनके जेब में बचा है। ये ज्यादातर मध्यम वर्गीय परिवार के लोग हैं, लेकिन आज उसकी सफलता को देखते हुए मैं देशवासियों को कहना चाहता हूं जैसे हम एक विश्वकर्मा योजना लेकर के समाज के उस वर्ग को छूने वाले हैं। अब देश में 10 हजार जन-औषधि केंद्र से हम 25 हजार जन-औषधि केंद्र का लक्ष्य लेकर के आने वाले दिनों में काम करने वाले हैं।

आने वाले पांच सालों में देश पहले तीन वैश्विक इकोनॉमी में

जब देश में गरीबी कम होती है तब देश के मध्यम वर्ग की ताकत बहुत बढ़ती है और मैं आपको विश्वास दिलाता हूं आने वाले पांच साल में मोदी की गारंटी है, देश पहले तीन वैश्विक इकोनॉमी में अपनी जगह ले लेगा, ये पक्का जगह ले लेगा। आज जो साढ़े 13 करोड़ गरीबी से बाहर आए हुए लोग हैं वो एक प्रकार से मध्यम वर्गीय ताकत बन जाते हैं। जब गरीब की खरीद शक्ति बढ़ती है तो मध्यम वर्ग की व्यापार शक्ति बढ़ती है। जब गांव की खरीद शक्ति बढ़ती है, तो कस्बे और शहर की आर्थिक व्यवस्था और तेज गति से दौड़ती है।

शहर के अंदर जो कमजोर लोग रहते हैं, बिना बात की जो मुसीबत रहती है। मध्यम वर्गीय परिवार अपने खुद के घर का सपना देख रहे हैं। हम उसके लिए भी आने वाले कुछ सालों के लिए एक योजना लेकर के आ रहे हैं और जिसमें ऐसे मेरे परिवारजन जो शहरों में रहते हैं, लेकिन किराए के मकान पर रहते हैं, झुग्गी-झोपड़ी में रहते हैं, चाल में रहते हैं, अनधिकृत कॉलोनी में रहते हैं। ऐसे मेरे परिवारजन अगर अपना मकान

बनाना चाहते हैं तो बैंक से जो लोन मिलेगा उसके ब्याज के अंदर राहत देकर के लाखों रुपयों की मदद करने का हमने निर्णय किया है। मेरे मध्यम वर्गीय परिवार को दो लाख से 7 लाख रुपये इनकम टैक्स की सीमा बढ़ जाती है तो सबसे बड़ा लाभ सैलरी क्लास को होता है, मेरे मध्यम वर्गीय को होता है। इंटरनेट का डाटा बहुत महंगा था 2014 के पहले। अब दुनिया का सबसे सस्ता इंटरनेट का डेटा पर खर्चा हो रहा है, हर परिवार के पैसे बच रहे हैं।

आज गांव-गांव तक इंटरनेट

आज देश अनेक क्षमताओं को लेकर आगे बढ़ रहा है। देश आधुनिकता की तरफ आगे बढ़ने के लिए काम कर रहा है। आज देश नवीकरणीय ऊर्जा में काम कर रहा है, आज देश हरित हाइड्रोजन पर काम हो रहा है, देश की स्पेस में क्षमता बढ़ रही है। तो देश डीप सी मिशन में भी सफलता के साथ आगे चल रहा है। देश में रेल आधुनिक हो रही है, तो वंदे भारत, बुलेट ट्रेन भी आज देश के अंदर काम कर रही है। गांव-गांव पक्की सड़कें बन रही हैं तो इलेक्ट्रिक बसें, मेट्रो की रचना भी आज देश में हो रहे हैं। आज गांव-गांव तक इंटरनेट पहुंच रहा है तो क्वांटम कंप्यूटर के लिए भी देश काम करता है। नैनो यूरिया और नैनो डीएपी उस पर काम हो रहा है तो दूसरी तरफ जैविक खेती पर भी हम बल दे रहे हैं। आज किसान उत्पादक संघ FPO का निर्माण हो रहा है तो हम सेमीकंडक्टर का भी निर्माण करना चाह रहे हैं। हम दिव्यांगजनों के लिए एक सुगम भारत के निर्माण के लिए काम करते हैं तो हम पैरालिंपिक में भी हिन्दुस्तान का तिरंगा झंडा गाड़ने के लिए मेरे दिव्यांगजनों को सामर्थ्यवान बना रहे हैं। हम खिलाड़ियों को स्पेशल ट्रेनिंग दे रहे हैं।

हमारी कार्य-संस्कृति, बड़ा सोचना, दूर का सोचना, सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय सोचना; यह हमारी कार्यशैली रही है और सोच से भी ज्यादा, संकल्प से भी ज्यादा हासिल कैसे करना इस ऊर्जा के साथ हम काम करते हैं। हमने आजादी के अमृत महोत्सव में 75 हजार अमृत सरोवर बनाने का संकल्प किया था। उस समय हमने हर जिले में 75 अमृत सरोवर बनाने का संकल्प किया था। करीब 50-55 हजार अमृत सरोवर की कल्पना की थी, लेकिन आज करीब-करीब 75 हजार अमृत सरोवर के निर्माण का काम हो रहा है। यह अपने आप में बहुत बड़ा काम हो रहा है। जनशक्ति और जलशक्ति की यह ताकत भारत के पर्यावरण की रक्षा में भी काम आने वाली है। 18 हजार गांवों तक बिजली पहुंचाना, जन धन बैंक खाते खोलना, बेटियों के लिए शौचालय बनाना सारे टारगेट समय के पहले पूरी शक्ति से पूरे करेगा और जब भारत ठान लेता है तो उसे पूरा करके रहता है, यह हमारा ट्रैक रिकॉर्ड कहता है।

> "हमने आजादी के अमृत महोत्सव में 75 हजार अमृत सरोवर बनाने का संकल्प किया था। उस समय हमने हर जिले में 75 अमृत सरोवर बनाने का संकल्प किया था। करीब 50-55 हजार अमृत सरोवर की कल्पना की थी, लेकिन आज करीब-करीब 75 हजार अमृत सरोवर के निर्माण का काम हो रहा है। यह अपने आप में बहुत बड़ा काम हो रहा है"

दुनिया में सबसे तेज गति से 5-G रोल आउट

200 करोड़ वैक्सीनेशन का काम; दुनिया जब हमें पूछती है न, 200 करोड़ सुनती है उनकी आंखें फट जाती हैं, इतना बड़ा काम। यह मेरे देश के आंगनवाड़ी वर्कर, हमारी आशा वर्कर, हमारी हेल्थ वर्कर उन्होंने करके दिखाया। यह मेरे देश का सामर्थ्य है। 5-G को रोल आउट किया, दुनिया में सबसे तेज गति से 5-G रोल आउट करने वाला मेरा देश है। 700 से अधिक जिलों तक हम पहुंच चुके हैं और अब 6-G की भी तैयारी कर रहे हैं। हमने टास्क फोर्स बना दिया है। नवीकरणीय ऊर्जा हम टारगेट से पहले चले हैं। हमने नवीकरणीय ऊर्जा 2030 का जो टारगेट तय किया था, 2021-2022 में उसका पूरा कर दिया। हमने इथेनॉल में 20 प्रतिशत ब्लेंडिंग की बात कही थी वो भी हमने समय से पांच साल पहले पूरा कर दिया है। हमने 500 बिलियन डॉलर के एक्सपोर्ट की बात कही थी वो भी समय से पहले पांच सौ बिलियन डॉलर से ज्यादा कर दिया। हमने तय किया, जो हमारे देश में 25 साल से चर्चा हो रही थी कि देश में नई संसद बने। पार्लियामेंट का कोई सत्र ऐसा नहीं था, नई संसद के लिए। यह मोदी है समय के पहले नई संसद बना करके रख दिया। यह काम करने वाली सरकार है, निर्धारित लक्ष्यों को पार करने वाली सरकार है, यह नया भारत है, यह आत्मविश्वास से भरा हुआ भारत है, यह संकल्पों को चरितार्थ करने के लिए जी-जान से जुटा हुआ भारत है।

प्रगति की हर चीज में, लेकिन जब 2047, हम एक विकसित भारत का सपना ले करके चल रहे हैं तब और वो सपना नहीं, 140 करोड़ देशवासियों का संकल्प है। उस संकल्प को सिद्ध करने के लिए परिश्रम की पराकाष्ठा भी है और उसकी सबसे बड़ी ताकत होती है, वो राष्ट्रीय चरित्र होता है। दुनिया में जिन-जिन देशों ने प्रगति की है, दुनिया में जो-जो देश संकटों को पार करके निकले हैं, उनमें हर चीज के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण कैटेलेटिक एजेंट रहा है, वो राष्ट्रीय चरित्र रहा है। हमें राष्ट्रीय चरित्र के लिए और बल देते हुए हमें आगे बढ़ना होगा। हमारा देश, हमारा राष्ट्रीय चरित्र ओजस्वी हो, तेजस्वी हो, पुरुषार्थी हो, पराक्रमी हो, प्रखर हो; ये हम सबका सामूहिक दायित्व है।

आने वाले 25 साल हम एक ही मंत्र को लेकर चलें, ये हमारे राष्ट्रीय चरित्र का सिरमौर होना चाहिए। एकता का संदेश, भारत की

एकता को जीना, भारत की एकता को आंच आए, न ऐसी मेरी भाषा होगी, न ऐसा मेरा कोई कदम होगा। हर पल देश को जोड़ने का प्रयास मेरी तरफ से भी होता रहेगा। भारत की एकता हमें सामर्थ्य देती है। उत्तर हो, दक्षिण हो, पूर्व हो, पश्चिम हो, गांव हो, शहर हो, पुरुष हो, नारी हो; हम सबने एकता के भाव के साथ और विविधता भरे देश में एकता का सामर्थ्य होता है और दूसरी महत्व की बात मैं देख रहा हूं, अगर 2047 में हमें हमारे देश को विकसित भारत के रूप में देखना है तो हमें श्रेष्ठ भारत के मंत्र को जीना होगा, हमें चरितार्थ करना होगा।

महिला नेतृत्व में विकास (women-led development)

अब हमारे प्रोडक्शन में, मैंने 2014 में कहा था जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट। दुनिया के किसी भी टेबल पर मेक इन इंडिया चीज हो तो दुनिया को विश्वास होना चाहिए, इससे बेहतर दुनिया में कुछ नहीं हो सकता है। ये अल्टीमेट होगा, हमारी हर चीज, हमारी सर्विसेज होंगी तो श्रेष्ठ होंगी, हमारे शब्दों की ताकत होगी तो श्रेष्ठ होगी, हमारी संस्थाएं होंगी तो श्रेष्ठ होंगी, हमारी निर्णय प्रक्रियाएं होंगी तो श्रेष्ठ होंगी। ये श्रेष्ठता का भाव ले करके हमें चलना होगा। तीसरी बात है देश में आगे बढ़ने के लिए एक अतिरिक्त शक्ति का सामर्थ्य भारत को आगे ले जाने वाला है और वो है महिला नेतृत्व में विकास (women-led development)। आज भारत गर्व से कह सकता है कि दुनिया में नागरिक उड्डयन में अगर किसी एक देश में सबसे ज्यादा महिला-पायलट हैं तो मेरे देश में हैं। आज चन्द्रयान की गति हो, चंद्र मिशन की बात हो, मेरी महिला वैज्ञानिक उसका नेतृत्व कर रही हैं। आज महिला स्वयं सहायता समूह हो, मेरी 2 करोड़ लखपति दीदी का लक्ष्य लेकर के आज महिला स्वयं सहायता समूह पर हम काम कर रहे हैं। हम, हमारी नारी शक्ति के सामर्थ्य को बढ़ावा देते हुए महिला नेतृत्व में विकास (women-led development) और जब जी-20 में मैंने महिला नेतृत्व में विकास (women-led development) के विषयों को आगे बढ़ाया है तो पूरा जी-20 समूह इसके महत्व का स्वीकार कर रहा है और उसके महत्व को स्वीकार करके वो उसको बहुत बल दे रहे हैं।

> “दुनिया के किसी भी टेबल पर मेक इन इंडिया चीज हो तो दुनिया को विश्वास होना चाहिए, इससे बेहतर दुनिया में कुछ नहीं हो सकता है। ये अल्टीमेट होगा, हमारी हर चीज, हमारी सर्विसेज होंगी तो श्रेष्ठ होंगी, हमारे शब्दों की ताकत होगी तो श्रेष्ठ होगी, हमारी संस्थाएं होंगी तो श्रेष्ठ होंगी, हमारी निर्णय प्रक्रियाएं होंगी तो श्रेष्ठ होंगी। ये श्रेष्ठता का भाव ले करके हमें चलना होगा”

उसी प्रकार से भारत विविधताओं से भरा देश है। असंतुलित विकास के हम शिकार रहे हैं, मेरा-पराया के कारण हमारे देश के कुछ हिस्से उसके शिकार रहे हैं। अब हमें क्षेत्रीय आकांक्षाओं को संतुलित विकास को बल देना है और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को लेकर के उस भावना को हमें सम्मान देते हुए जैसे हमारी भारत मां का कोई, हमारे शरीर का कोई अंग अगर अविकसित रहे तो हमारा शरीर विकसित नहीं माना जाएगा। हमारा शरीर का कोई अंग दुर्बल रहे तो हमारा शरीर स्वस्थ नहीं माना जाएगा। वैसे ही मेरी भारत माता उसका कोई एक भू-भाग भी, समाज का कोई तबका भी अगर दुर्बल रहे तो मेरी भारत माता समर्थ है, स्वस्थ है ऐसा सोचकर के हम नहीं बैठ सकते और इसलिए क्षेत्रीय आकांक्षाओं को हमें एड्रेस करने की आवश्यकता है और इसलिए हम समाज का सर्वांगीण विकास हो, सर्वपक्षीय विकास हो, भू-भाग के हर क्षेत्र को उसकी अपनी ताकत को खिलने का अवसर मिले, उस दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं।

लड़कों से ज्यादा बेटियां आज STEM में

आज मेरे देश में लड़कों से ज्यादा बेटियां आज STEM यानी science, technology, engineering और maths में अधिकतम भाग मेरी बेटियां ले रही हैं। ये सामर्थ्य आज हमारे देश का दिख रहा है। आज 10 करोड़ महिलाएं; महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं और महिला स्वयं सहायता समूह के साथ आप गांव में जाएंगे तो आपको बैंक वाली दीदी मिलेगी, आपको आंगनबाड़ी वाली दीदी मिलेगी, आपको दवाई देने वाली दीदी मिलेगी और अब मेरा सपना है, 2 करोड़ लखपति दीदी बनाने का। गांव में 2 करोड़ लखपति दीदी और इसके लिए एक नया विकल्प भेजा 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी' का। हमारे गांव की महिलाओं का सामर्थ्य देखता हूं और इसलिए मैं नई योजना सोच रहे हूं कि हमारे एग्रीकल्चर सेक्टर में टेक्नोलॉजी आए, एग्रीटेक को बल मिले, इसलिए महिला स्वयं सहायता समूह की बहनों को हम ट्रेनिंग देंगे। ड्रोन चलाने की, ड्रोन रिपेयर करने की हम ट्रेनिंग देंगे और हजारों ऐसे महिला स्वयं सहायता समूह को भारत सरकार ड्रोन देगी, ट्रेनिंग देगी और हमारे एग्रीकल्चर के काम में ड्रोन की सेवाएं उपलब्ध हों, इसके लिए हम शुरुआत करेंगे, प्रारंभ हम 15 हजार महिला स्वयं सहायता समूह के द्वारा ये ड्रोन की उड़ान का हम आरंभ कर रहे हैं।

आज देश आधुनिकता की तरफ बढ़ रहा है। राजमार्ग हो, रेलवे हो, वायुमार्ग हो, आई-वे हो, सूचना मार्ग हो, जल मार्ग हो, कोई क्षेत्र ऐसा नहीं है, जिस क्षेत्र को आगे बढ़ाने की दिशा में आज देश काम न करता हो। पिछले 9 वर्ष में तटीय क्षेत्रों में, हमने आदिवासी क्षेत्र में, हमारे पहाड़ी क्षेत्र में विकास को बहुत बल दिया है। हमने पर्वतमाला, भारतमाला ऐसी योजनाओं के द्वारा समाज के उस वर्ग को हमने बल दिया है। हमने गैस की पाइपलाइन से हमारे पूर्वी भारत को जोड़ने का काम किया है। हमने अस्पतालों की संख्या बढ़ाई है। हमने डॉक्टर्स की सीटें बढ़ाई हैं ताकि हमारे बच्चे डॉक्टर बनने का सपना पूरा कर सकें।

आज बढ़ रहा है मातृभाषा का माहात्म्य

हमने मातृभाषा में पढ़ाने पर बल दिया है और मातृभाषा में वो पढ़ाई कर सके उस दिशा में भी। मैं भारत के सुप्रीम कोर्ट का भी धन्यवाद करता हूं कि भारत के सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अब जो निर्णय देंगे, उसका जो ऑपरेटिव भाग होगा, वो जो अदालत में आया है, उसकी भाषा में उसको उपलब्ध होगा। मातृभाषा का माहात्म्य आज बढ़ रहा है।

हमने संतुलित विकास के लिए आकांक्षी जिला, आकांक्षी ब्लॉक की कल्पना की और आज उसके सुखद परिणाम मिल रहे हैं। आज राज्य के जो सामान्य पैरामीटर हैं, जो आकांक्षी जिला कभी बहुत पीछे थे, वो आज राज्य में भी अच्छा करने लग गए हैं और मुझे विश्वास है कि आने वाले दिनों में ये हमारे आकांक्षी जिले, हमारे आकांक्षी ब्लॉक अवश्य आगे बढ़ेंगे। जैसा मैंने कहा था भारत के चरित्र की चर्चा कर रहा था, तो मैंने पहले कहा था भारत की एकता, दूसरा कहा था भारत श्रेष्ठता की तरफ बल दे, तीसरा कहा था महिला विकास की मैंने बात कही थी। मैं आज एक बात और कहना चाहता हूं कि हम जैसे क्षेत्रीय आकांक्षा मैंने चौथी बात कही थी। पांचवीं महत्व की बात है और भारत ने अब उस दिशा में जाना है और वो है हमारा राष्ट्रीय चरित्र, विश्व मंगल के लिए सोचने वाला होना चाहिए। हमें देश को इतना मजबूत बनाना है, जो विश्व मंगल के लिए भी अपनी भूमिका अदा करें।

आज कोरोना के बाद मैं देख रहा हूं, जिस प्रकार से संकट की घड़ी में देश ने दुनिया की मदद की; उसका परिणाम है कि आज दुनिया में हमारा देश एक विश्व मित्र के रूप में है। विश्व के अटूट साथी के रूप में है। आज मेरे देश की पहचान बनी है। हम जब विश्वमंगल की बात करते हैं, तब भारत का मूलभूत विचार है उस विचार को हम आगे बढ़ाने वाले लोग हैं और मुझे खुशी है कि आज अमेरिकी संसद के भी कई चुने हुए गणमान्य प्रतिनिधि भी आज हमारे 15 अगस्त के इस अवसर में हमारे बीच में मौजूद हैं। भारत की सोच कैसी है, हम विश्व मंगल की बात को कैसे आगे बढ़ाते हैं। अब देखिए, जब हम जब सोचते हैं तो क्या कहते हैं, हमने दुनिया के सामने ये दर्शन रखा है और दुनिया उस दर्शन को लेकर के हमारे साथ जुड़ रही है। हमने कहा एक सूर्य, एक विश्व, एक ग्रिड (One Sun, One World, One Grid)। नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक बहुत बड़ा हमारा कथन है, आज दुनिया उसको स्वीकार कर रही है। कोविड के बाद हमने दुनिया को कहा हमारी ये एप्रोच होनी चाहिए One Earth, One Health समस्याओं का समाधान तभी होगा, जब मानव को, पशु को, पौधे को बीमारी के समय में समान रूप से एड्रेस किया जाएगा, तब जाकर के हम ये करेंगे।

> “हमने जी-20 समिट के लिए दुनिया के सामने कहा है ‘एक विश्व, एक परिवार, एक भविष्य’ इस सोच को लेकर के चल रहें है। हमने क्लाईमेट को लेकर के दुनिया जो संकट से जूझ रही है, हमने रास्ता दिखाया है, लाइव मिशन लॉन्च किया है ‘लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट’। हमने दुनिया के सामने मिलकर अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन बनाया और आज दुनिया के कई देश अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन का हिस्सा बन रहे हैं”

‘एक विश्व, एक परिवार, एक भविष्य’

हमने जी-20 समिट के लिए दुनिया के सामने कहा है ‘एक विश्व, एक परिवार, एक भविष्य’ इस सोच को लेकर के चल रहे हैं। हमने क्लाईमेट को लेकर के दुनिया जो संकट से जूझ रही है, हमने रास्ता दिखाया है, लाइव मिशन लॉन्च किया है ‘लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट’। हमने दुनिया के सामने मिलकर अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन बनाया और आज दुनिया के कई देश अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन का हिस्सा बन रहे हैं। हमने जैव विविधता का महत्व देखते हुए बिग कैट एलायंस की व्यवस्था को हमने आगे बढ़ाया है। हमने प्राकृतिक आपदा के कारण ग्लोबल वार्मिंग के कारण इंफ्रास्ट्रक्चर का जो नुकसान होता है, उसके लिए दूरगामी व्यवस्थाओं की जरूरत है और इसलिए कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर (सीडीआरआई) एक समाधान के रूप में दुनिया को दिया है। विश्व आज समुद्रों को संघर्ष का केंद्र बना रहा है, तब हमने दुनिया को सागर का प्लेटफार्म दिया है। जो वैश्विक सामुद्रिक शांति की गारंटी बन सकता है। हमने पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को बल देते हुए WHO का एक ग्लोबल लेवल का सेंटर हिंदुस्तान में बनाने की दिशा में काम किया है।

सपने अनेक हैं, संकल्प साफ है, नीतियां स्पष्ट हैं। नियत के सामने कोई सवालिया निशान नहीं है, लेकिन कुछ सच्चाइयों को हमें स्वीकार करना पड़ेगा और उसके समाधान के लिए मेरे प्रिय परिवारजनों, मैं आज लाल किले से आपकी मदद मांगने आया हूं, मैं लाल किले से आपका आशीर्वाद मांगने आया हूं। क्योंकि पिछले सालों मैंने देश को जो समझा है, देश की आवश्यकताओं को जो मैंने परखा है और अनुभव के आधार पर मैं कह रहा हूं कि आज गंभीरतापूर्वक उन चीजों को हमें लेना होगा। आजादी के अमृतकाल में, 2047 में जब देश आजादी के 100 साल मनाएगा, उस समय दुनिया में भारत का तिरंगा-झंडा विकसित भारत का तिरंगा-झंडा होना चाहिए, रत्ती भर भी हमें रुकना नहीं है, पीछे हटना नहीं है और इसके लिए शुचिता, पारदर्शिता और निष्पक्षता ये पहली मजबूती की जरूरत है। हमें उस मजबूती को जितना ज्यादा खाद पानी दे सकते हैं, संस्थाओं के माध्यम से दे सकते हैं, नागरिक के नाते दे सकते हैं, परिवार के नाते दे सकते हैं यह हमारा सामूहिक दायित्व होना चाहिए। इसलिए पिछले 75 साल का इतिहास देखिए, भारत के सामर्थ्य में कोई कमी नहीं थी और यह जो देश कभी सोने की चिड़िया कहा जाता था वो देश क्यों न फिर से उस सामर्थ्य को लेकर के खड़ा हो सकता है।

2047 में विकसित भारत बनकर रहेगा

मेरा अखंड, अटूट, एकनिष्ठ विश्वास है कि 2047 में जब देश आजादी के 100 साल मनाएगा मेरा देश विकसित भारत बनकर रहेगा। यह मैं मेरे देश के सामर्थ्य के आधार पर कह रहा हूं। मेरे उपलब्ध संसाधनों के आधार पर कह रहा हूं और सबसे ज्यादा 30 से कम आयु वाली मेरी युवा शक्ति के भरोसे कह रहा हूं। मेरी माताओं-बहनों के सामर्थ्य के भरोसे कह रहा हूं, लेकिन उसके सामने अगर कोई रुकावट है, कुछ भी कृतियां पिछले 75 साल में ऐसे घर कर गई हैं, हमारी समाज व्यवस्था का ऐसा हिस्सा बन गई हैं कि कभी-कभी तो हम आंख भी बंद कर देते हैं। अब आंख बंद करने का समय नहीं है। अगर सपनों को सिद्ध करना है, संकल्प को पार करना है तो हमें यह आंख-मिचौली बंद करके आंख में आंख मिला करके तीन बुराइयों से लड़ना समय की बड़ी मांग है।

हमारे देश की सारी समस्याओं की जड़ में भ्रष्टाचार ने दीमक की तरह देश की सारी व्यवस्थाओं को, देश के सारे सामर्थ्य को पूरी तरह नोंच लिया है। भ्रष्टाचार से मुक्ति, भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग हर इकाई में हर क्षेत्र में यह मोदी के जीवन का कमिटमेंट है, यह मेरे व्यक्तित्व का एक कमिटमेंट है कि मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ता रहूंगा। दूसरा हमारे देश को नोंच लिया है परिवारवाद ने। इस परिवारवाद ने देश को जिस प्रकार से जकड़ करके रखा है उसने देश के लोगों का हक छीना है और तीसरी बुराई तुष्टीकरण की है। यह तुष्टीकरण में भी देश के मूल चिंतन को, देश के सर्वसमावेशक हमारे राष्ट्रीय चरित्र को दाग लगा दिए हैं। तहस-नहस कर दिया इन लोगों ने। इसलिए हमें इन तीन बुराइयों के खिलाफ पूरे सामर्थ्य के साथ लड़ना है। भ्रष्टाचार, परिवारवाद, तुष्टीकरण यह चुनौतियां, ये ऐसी चीजें पनपी हैं जो हमारे देश के लोगों का, जो आकांक्षाएं हैं, उसका दमन करती हैं। हमारे देश के कुछ लोगों के पास जो छोटा-मोटा सामर्थ्य है उसका शोषण करती हैं। यह ऐसी चीजें हैं, जो हमारे लोगों की आशाओं-आकांक्षाओं को सवाल या निशान में गढ़ देती हैं। हमारे गरीब हों, हमारे दलित हों, हमारे पिछड़े हों, हमारे पसमांदा हों, हमारे आदिवासी भाई-बहन हों, हमारी माताएं-बहनें हों, हमने, सबने उनके हकों के लिए इन तीन बुराइयों से मुक्ति पानी है।

“भ्रष्टाचार, परिवारवाद, तुष्टीकरण यह चुनौतियां, ये ऐसी चीजें पनपी हैं जो हमारे देश के लोगों का, जो आकांक्षाएं हैं, उसका दमन करती हैं। हमारे देश के कुछ लोगों के पास जो छोटा-मोटा सामर्थ्य है उसका शोषण करती हैं। यह ऐसी चीजें हैं, जो हमारे लोगों की आशाओं-आकांक्षाओं को सवाल या निशान में गढ़ देती हैं”

हमें भ्रष्टाचार के खिलाफ बनाना है 'नफरत का माहौल'

हमें भ्रष्टाचार के खिलाफ एक नफरत का माहौल बनाना है। जैसे गंदगी हमें नफरत पैदा करती है न, मन में गंदगी पसंद नहीं है। यह सार्वजनिक जीवन की इससे बड़ी कोई गंदगी नहीं हो सकती और इसलिए हमारे स्वच्छता अभियान को एक नया मोड़ ये भी देना है कि हमें भ्रष्टाचार से मुक्ति पानी है। सरकार टेक्नोलॉजी से भ्रष्टाचार की मुक्ति के लिए बहुत प्रयास कर रही है। आपको जानकर हैरानी होगी, इस देश में पिछले 9 साल में एक काम मैंने ऐसा किया; आंकड़ा सुनोगे तो लगेगा कि मोदी ऐसा करता है जैसे दस करोड़ लोग करीब-करीब जो गलत फायदा उठाते थे, वो मैंने रोक दिया। तो आप में से कोई कहेगा आपने लोगों से अन्याय कर दिया; जी नहीं, ये दस करोड़ लोग कौन लोग थे, ये दस करोड़ लोग वो लोग थे, जिनका जन्म ही नहीं हुआ था और उनके नाम पर उनके widow हो जाते थे, वो वृद्ध हो जाते थे, वो दिव्यांग हो जाते थे, फायदे लिए जाते थे। दस करोड़ ऐसी बेनामी चीजें जो चलती थीं, उसको रोकने का पवित्र काम, भ्रष्टाचारियों की संपत्ति जो हमने जब्त की है ना, वो पहले की तुलना में 20 गुना ज्यादा की है।

ये आपकी कमाई का पैसा लोग ले करके भागे थे। 20 गुना ज्यादा संपत्ति को जब्त करने का और इसलिए लोगों की मेरे प्रति नाराजगी होना बहुत स्वाभाविक है, लेकिन मुझे भ्रष्टाचार के खिलाफ की लड़ाई को आगे बढ़ाना है। हमारी सरकारी व्यवस्था ने, पहले कैमरा के सामने तो कुछ हो जाता था, लेकिन बाद में चीजें अटक जाती थीं। हमने पहले की तुलना में कई गुना ज्यादा अदालत में चार्जशीट की हैं और अब जमानतें भी नहीं मिलती हैं, वैसी पक्की व्यवस्था को ले करके हम आगे बढ़ रहे हैं, क्योंकि हम ईमानदारी से भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहे हैं।

देश का बहुत बड़ा दुर्भाग्य 'परिवारवाद और तुष्टीकरण'

आज परिवारवाद और तुष्टीकरण ने देश का बहुत बड़ा दुर्भाग्य किया है। अब लोकतंत्र में ये कैसे हो सकता है कि पॉलिटिकल पार्टी, और मैं विशेष बल दे रहा हूं पॉलिटिकल पार्टी, आज मेरे देश के लोकतंत्र में एक ऐसी विकृति आई है जो कभी भारत के लोकतंत्र को मजबूती नहीं दे सकती और वो क्या है बीमारी, परिवारवादी पार्टियां। उनका तो मंत्र क्या है, पार्टी ऑफ द फैमिली, बाय द फैमिली एंड फॉर द फैमिली। इनका तो जीवन मंत्र यही है कि उनकी पॉलिटिकल पार्टी, उनका राजनीतिक दल परिवार का, परिवार के द्वारा और परिवार के लिए।

परिवारवाद और भाई-भतीजावाद प्रतिभाओं के दुश्मन होते हैं, योग्यताओं को नकारते हैं, सामर्थ्य को स्वीकार नहीं करते हैं। इसलिए परिवारवाद की इस देश के लोकतंत्र की मजबूती के लिए उसकी मुक्ति जरूरी है। सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय, हर किसी को हक मिले, इसलिए और सामाजिक न्याय के लिए भी ये बहुत जरूरी है। उसी प्रकार से तुष्टीकरण ने सामाजिक न्याय का सबसे बड़ा नुकसान किया

है। अगर सामाजिक न्याय को तबाह किसी ने किया है तो ये तुष्टीकरण की सोच, तुष्टीकरण की राजनीति, तुष्टीकरण का सरकारी योजनाओं का तरीका, इसने सामाजिक न्याय को मौत के घाट उतार दिया है और इसलिए हमें तुष्टीकरण, भ्रष्टाचार, ये विकास के सबसे बड़े दुश्मन हैं। अगर देश विकास चाहता है, देश 2047, विकसित भारत का सपना साकार करना चाहता है तो हमारे लिए आवश्यक है कि हम किसी भी हालत में देश में भ्रष्टाचार को सहन नहीं करेंगे, इस मूड को ले करके चलना चाहिए।

मैं जब 2014 में आपके पास आया था तब 2014 में मैं परिवर्तन का वादा लेकर के आया था। 2014 में मैंने आपको वादा किया था मैं परिवर्तन लाऊंगा और 140 करोड़ मेरे परिवारजन आपने मुझ पर भरोसा किया और मैंने विश्वास पूरा करने की कोशिश की। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म वो 5 साल जो वादा था वो विश्वास में बदल गया क्योंकि मैंने परिवर्तन का वादा किया था। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के द्वारा मैंने इस वादे को विश्वास में बदल दिया है। कठोर परिश्रम किया है, देश के लिए किया है, शान से किया है, सिर्फ और सिर्फ राष्ट्र सर्वोपरि इस भाव से किया है। 2019 में परफॉरमेंस के आधार पर आप सबने मुझे फिर से आशीर्वाद दिया। परिवर्तन का वादा मुझे यहां ले आया, परफॉरमेंस मुझे दोबारा ले आया और आने वाले 5 साल अभूतपूर्व विकास के हैं। 2047 के सपने को साकार करने का सबसे बड़ा स्वर्णिम पल आने वाले 5 साल हैं और अगली बार 15 अगस्त को इसी लाल किले से मैं आपको देश की उपलब्धियां, आपके सामर्थ्य, आपके संकल्प उसमें हुई प्रगति, उसकी जो सफलता है, उसके गौरवगान उससे भी अधिक आत्मविश्वास के साथ, आपके सामने में प्रस्तुत करूंगा।

> "2014 में मैंने आपको वादा किया था मैं परिवर्तन लाऊंगा और 140 करोड़ मेरे परिवारजन आपने मुझ पर भरोसा किया और मैंने विश्वास पूरा करने की कोशिश की। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म वो 5 साल जो वादा था वो विश्वास में बदल गया क्योंकि मैंने परिवर्तन का वादा किया था। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के द्वारा मैंने इस वादे को विश्वास में बदल दिया है"

मेरे परिवारजनों, मैं आप में से आता हूं, मैं आपके बीच से निकला हूं, मैं आपके लिए जीता हूं। अगर मुझे सपना भी आता है, तो आपके लिए आता है। अगर मैं पसीना भी बहाता हूं तो आपके लिए बहाता हूं, क्योंकि इसलिए नहीं कि आपने मुझे दायित्व दिया है, मैं इसलिए कर रहा हूं कि आप मेरे परिवाजन हैं और आपके परिवार के सदस्य के नाते मैं आपके किसी दुःख को देख नहीं सकता हूं, मैं आपके सपनों को चूर-चूर होते नहीं देख सकता हूं। मैं आपके संकल्प को सिद्धि तक ले जाने के लिए आपका एक साथी बनकर के, आपका एक सेवक बनकर के, आपके साथ जुड़े रहने का, आपके साथ जीने का, आपके लिए जूझने का मैं संकल्प लेकर के चला हुआ इंसान हूं और मुझे विश्वास है हमारे पूर्वजों ने आजादी के लिए जो जंग लड़ी थी, जो सपने देखे थे, वो सपने हमारे साथ हैं। आजादी के जंग में जिन्होंने बलिदान दिया था, उनके आशीर्वाद हमारे साथ हैं और 140 करोड़ देशवासियों के लिए एक ऐसा अवसर आया है, ये अवसर हमारे लिए एक बहुत बड़ा संबल लेकर के आया है।

चुनो चुनौती सीना तान

आज जब मैं अमृतकाल में आपके साथ बात कर रहा हूं, ये अमृतकाल का पहला वर्ष है, ये अमृतकाल के पहले वर्ष पर जब मैं आपके बात कर रहा हूं तो मैं आपको पूरे विश्वास से कहना चाहता हूं—

चलता चलाता कालचक्र,
अमृतकाल का भालचक्र,
सबके सपने, अपने सपने,
पनपे सपने सारे, धीर चले, वीर चले, चले युवा हमारे,
नीति सही रीति नई, गति सही राह नई,
चुनो चुनौती सीना तान, जग में बढ़ाओ देश का नाम।

हिन्दुस्तान के कोने-कोने में बैठे हुए मेरे परिवारजनों, दुनिया के कोने-कोने में जा करके बसे हुए मेरे परिवारजन, आप सबको आजादी के पावन पर्व की फिर एक बार मैं बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। ये अमृतकाल हम सबके लिए कर्तव्य काल है। ये अमृतकाल हम सबको मां भारती के लिए कुछ कर गुजरने का काल है। आज़ादी की जब जंग चल रही थी, 1947 के पहले जो पीढ़ी ने जन्म लिया था, उन्हें देश के लिए मरने का मौका मिला था। वो देश के लिए मरने के लिए मौका नहीं छोड़ते थे, लेकिन हमारे नसीब में देश के लिए मरने का मौका नहीं है। हमारे लिए देश के लिए जीने का ये इससे बड़ा कोई अवसर नहीं हो सकता। हमें पल-पल देश के लिए जीना है, इसी संकल्प के साथ इस अमृत काल में 140 करोड़ देशवासियों के सपने संकल्प भी बनाने हैं। 140 करोड़ देशवासियों के संकल्प को सिद्धि में भी परिवर्तित करना है और 2047 का जब तिरंगा झंडा फहरेगा, तब विश्व एक विकसित भारत का गुणगान करता होगा। इसी विश्वास के साथ, इसी संकल्प के साथ मैं आप सबको अनेक-अनेक शुभकामनाएं देता हूं। बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

जय हिन्द, जय हिन्द, जय हिन्द!
भारत माता की जय, भारत माता की जय, भारत माता की जय!
वंदे मातरम्, वंदे मातरम्, वंदे मातरम्!
बहुत-बहुत धन्यवाद! ■

प्रधानमंत्रीजी का उद्बोधन देश के विश्वास एवं सामर्थ्य को प्रतिबिंबित करनेवाला : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले की प्राचीर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ऐतिहासिक संबोधन के लिए उनका हार्दिक अभिनंदन किया

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का उद्बोधन 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने का रोडमैप था, देश को परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण के नासूरों से मुक्त करने का ऐलान था और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र को साकार करनेवाला था।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्रीजी के लिए सारा देश ही उनका परिवार है। इसकी झलक भी हमें उनके उद्बोधन में आज देखने को मिली जब उन्होंने बार-बार देशवासियों को 'परिवार-जन' कहकर संबोधित किया। उन्होंने लाल किले की प्राचीर से 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्रीजी ने देशवासियों को 3 गारंटी भी दीं। पहली ये कि 5 साल में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनेगा। दूसरी ये कि शहरों में किराए के मकानों में रहनेवालों को बैंक लोन में रियायत मिलेगी और तीसरी यह कि देश भर में 25 हजार जन औषधि केंद्र खोले जाएंगे। 17 सितंबर से विश्वकर्मा योजना भी शुरू की जायेगी। प्रधानमंत्रीजी ने प्राकृतिक आपदा के कारण देश के अनेक हिस्सों में आये अकल्पनीय संकट को भी याद किया, शांति की ओर बढ़ रहे मणिपुर का भी जिक्र किया और विस्तार से इस बात पर भी चर्चा की कि किस तरह हजार साल की गुलामी के बाद देश संवर रहा है। प्रधानमंत्रीजी ने कहा कि विश्वभर में भारत की चेतना के प्रति, भारत के सामर्थ्य के प्रति एक नया आकर्षण, एक नया विश्वास पैदा हुआ है। ये प्रकाश-पुंज भारत से उठा है, जो विश्व अपने लिए ज्योति के रूप में देख रहा है। हम जो भी करेंगे, जो भी कदम उठाएंगे, जो भी फैसले लेंगे, वह अगले एक हजार साल तक अपनी दिशा निर्धारित करनेवाला है, भारत के भाग्य को लिखने वाला है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्रीजी का उद्बोधन देश के लिए कुछ कर गुजरने हेतु युवाओं को आंदोलित करनेवाला था। आज हमारे पास डेमोग्राफी, डेमोक्रेसी और डाइवर्सिटी की त्रिवेणी है। ये तीनों मिलकर देश के सपनों को साकार करने की क्षमता रखते हैं। निश्चित ही, इस युग में हम जो भी करेंगे, जो भी कदम उठाएंगे और एक के बाद एक जो भी निर्णय लेंगे, वह देश के स्वर्णिम इतिहास को जन्म देगा। हमारी युवा शक्ति न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया की जरूरत को पूरा करने में सफल होगी।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्रीजी ने लालकिले की प्राचीर से अपने 10 साल के कामकाज का लेखा-जोखा भी दिया और विकास का रोडमैप भी रखा। प्रधानमंत्रीजी ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक नए भविष्य का सूत्रपात करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य देश में दो करोड़ लखपति दीदी बनाने का है। प्रधानमंत्रीजी ने बताया कि किस तरह परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण देश में गरीब, पिछड़े, आदिवासियों और दलितों का हक छिनती हैं। इन्हें हमें जड़ से मिटाना ही होगा। विगत 10 वर्षों में देश कैसे बदला है, इसका जिक्र प्रधानमंत्रीजी ने अपने उद्बोधन में किया। जिसका शिलान्यास हमारी सरकार करती है, उसका उद्‌घाटन भी इसी कालखंड में हो रहा है। देश ने 10 वर्षों में अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में 'फ्रेजाइल फाइव' से 'टॉप फाइव' की यात्रा की है और अगले 5 वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी।

उन्होंने कहा कि 10 साल पहले राज्यों को 30 लाख करोड़ रुपए भारत सरकार की तरफ से जाते थे, पिछले 9 साल में ये आंकड़ा 100 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचा है। पहले स्थानीय निकाय के विकास के लिए भारत सरकार से 70 हजार करोड़ रुपए जाता था आज वो 3 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। पहले गरीबों के घर के लिए 90 हजार करोड़ रुपये खर्च होता था, आज 4 लाख करोड़ रुपये खर्च होता है। भारत सरकार 10 लाख करोड़ रुपये किसानों के लिए यूरिया में सब्सिडी दे रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्रीजी ने G20 की अध्यक्षता का जिक्र भी किया कि किस तरह भारत विश्व पटल पर नई कहानी लिख रहा है। इसने देश के सामान्य मानवी के सामर्थ्य से दुनिया को परिचित करवा दिया है। भारत की विविधता को दुनिया अचंभे से देख रही है, जिस कारण भारत का आकर्षण बढ़ा है।

श्री नड्डा ने कहा कि कुल मिलाकर प्रधानमंत्रीजी का उद्बोधन प्रेरणादायी था और देश के विश्वास एवं सामर्थ्य को प्रतिबिंबित करनेवाला था। सभी देशवासी परिवारजनों आगे बढ़ने का रास्ता दिखाने वाले इस ऐतिहासिक उद्बोधन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का कोटि-कोटि अभिनंदन! ■

भारत की बढ़ती समृद्धि

ये विश्लेषण उन बातों पर प्रकाश डालते हैं जिससे हमें बहुत खुशी होनी चाहिए कि भारत न्यायसंगत और सामूहिक समृद्धि प्राप्त करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। मैंने इस शोध कार्यों से कुछ दिलचस्प अंश साझा करने के बारे में सोचा:

नरेन्द्र मोदी

हाल ही में मुझे दो शोध कार्य मिले, जो भारत की अर्थव्यवस्था के बारे में नागरिकों को रुचिकर लगेंगे: एक एसबीआई रिसर्च से और दूसरा प्रसिद्ध पत्रकार श्री अनिल पद्मनाभन के माध्यम से।

ये विश्लेषण उन बातों पर प्रकाश डालते हैं जिससे हमें बहुत खुशी होनी चाहिए कि भारत न्यायसंगत और सामूहिक समृद्धि प्राप्त करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। मैंने इस शोध कार्यों से कुछ दिलचस्प अंश साझा करने के बारे में सोचा:

एसबीआई के शोध ने बताया है (आईटीआर रिटर्न के आधार पर) औसत आय में पिछले 9 वर्षों में सराहनीय बढ़ोतरी हुई है, जो कि वित्त वर्ष 14 के 4.4 लाख रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 23 में 13 लाख रुपये हो गई है।

श्री पद्मनाभन का आईटीआर डेटा का अध्ययन विभिन्न आय वर्गों में कर आधार के विस्तार की ओर इशारा करता है।

प्रत्येक वर्ग में टैक्स फाइलिंग में न्यूनतम तीन गुना वृद्धि देखी गई है, कुछ वर्गों में लगभग चार गुना वृद्धि भी हासिल की गयी है।

इसके अलावा, यह शोध राज्यों में आयकर दाखिलों में वृद्धि के संदर्भ में सकारात्मक प्रदर्शन पर प्रकाश डालता है। 2014 और 2023 के बीच आईटीआर फाइलिंग की तुलना करने पर, डेटा सभी राज्यों में बढ़ी हुई कर भागीदारी की एक आशाजनक तस्वीर पेश करता है।

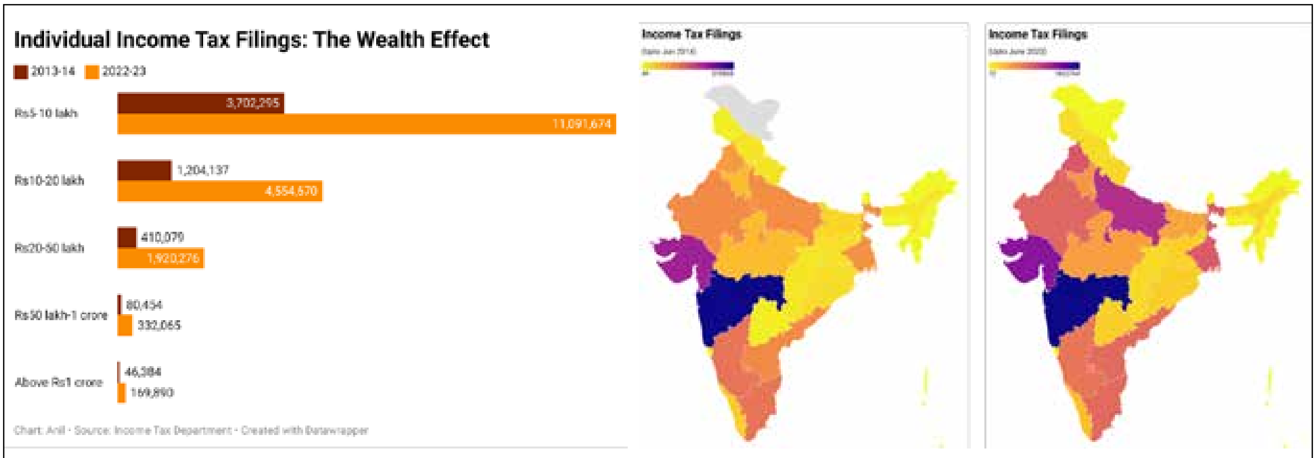

उदाहरण के लिए आईटीआर डेटा विश्लेषण से पता चलता है कि आईटीआर दाखिल करने के मामले में उत्तर प्रदेश शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक बनकर उभरा है। जून, 2014 में उत्तर प्रदेश में 1.65 लाख आईटीआर फाइल हुए थे, लेकिन जून 2023 तक, यह आंकड़ा बढ़कर 11.92 लाख हो गया है।

एसबीआई रिपोर्ट भी एक उत्साहजनक तस्वीर सामने लाती है जिसमें बताया गया है कि हमारे छोटे राज्यों और वह भी पूर्वोत्तर से अर्थात् मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड ने पिछले 9 वर्षों में आईटीआर फाइलिंग में 20% से अधिक की सराहनीय वृद्धि देखी है।

इससे पता चलता है कि न केवल आय बढ़ी है, बल्कि अनुपालन भी बढ़ा है और यह हमारी सरकार में लोगों के विश्वास की भावना का प्रकटीकरण है।

ये निष्कर्ष न केवल हमारे सामूहिक प्रयासों को दर्शाते हैं, बल्कि एक राष्ट्र के रूप में हमारी क्षमता को भी दिखाता है। हमारी बढ़ती समृद्धि राष्ट्रीय प्रगति के लिए शुभ संकेत है। निस्संदेह, हम आर्थिक समृद्धि के एक नए युग के मुहाने पर खड़े हैं और 2047 तक अपने 'विकसित भारत' के सपने को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। ■

हम संगठन, संस्कार और समर्पण में विश्वास करते हैं : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 18 अगस्त, 2023 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 'क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद्' के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें पार्टी की मूलभूत शक्ति बताया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता एक ऐसा पद है जो जीवन भर हमारे साथ रहता है और हम संगठन, संस्कार और समर्पण में विश्वास करते हैं, ऐसे में कार्यकर्ताओं के लिए अभ्यास वर्ग काफी महत्वपूर्ण हो जाता है।

रियल टाइम इन्फॉर्मेशन की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्रीजी ने कहा कि कार्यकर्ताओं के लिए यह जरूरी है कि वे जिले में क्या नया हो रहा है, उसे जाने और साथ ही उसे लोगों तक भी पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती शिखर पर जितनी है उससे ज्यादा नींव पर होती है। हमारी लोकतांत्रिक संस्थाओं की नींव जितनी मजबूत होगी, उससे हम नई-नई बुलंदियों को प्राप्त करेंगे।

श्री मोदी ने कहा कि हमें कुछ चीजें तय करनी चाहिए, जिन्हें पांच साल में जिले में परिपूर्ण किया जा सके। श्री मोदी ने आमलोगों की कठिनाइयों को दूर करने के लिए मिशन मोड पर काम करने पर जोर देते हुए कहा कि 'हमें सालभर में चार-पांच अवसर ऐसे निकालने चाहिए कि जिसमें सरकार के नेतृत्व में, पंचायत के नेतृत्व में पूरा जिला का जनसामान्य उससे जुड़ जाए। जैसे मान लीजिए, हम हर वर्ष वन महोत्सव करते हैं। ये वन महोत्सव सरकारी क्यों होना चाहिए। ये जन-जन का कैसे बने, उसके लिए दो महीने पहले मेहनत करनी चाहिए।'

प्रधानमंत्रीजी ने कहा कि हमें जनकल्याण के कार्यों को जनांदोलन बनाकर करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'साल में तीन ऐसे विषय तय कर लें और हर विषय के लिए चार महीने दें कि ये चार महीने डिपार्टमेंट के सब काम तो करेंगे ही, लेकिन जिन कामों को तय किया गया है, उसे भी सब मिलकर करेंगे और एक बहुत बड़ा जनांदोलन बना कर उस काम को सफल कर के रहेंगे।'

श्री मोदी ने कहा कि संगठन की अपनी ताकत होती है। जितना हम सामूहिकता से काम करते हैं शक्ति अनेक गुना बढ़ जाती है। प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं के साथ टिफिन बैठक का भी सुझाव दिया।

अमृत सरोवरों की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर आजादी के अमृत महोत्सव की बड़ी भेंट के तौर पर हर गांव में एक बहुत शानदार, पानी से भरा और काफी गहरा तालाब बना दिया जाए, तो लोग इसे लंबे अर्से तक याद करेंगे।

आकांक्षी जिलों को समर्थ जिलों में परिवर्तित करने कि चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के सौ-सवा सौ ऐसे जिलों के बीच कंप्टीशन के चलते सुधार दिखने लगा है। वहीं टीबी मुक्त भारत की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, 'आपके जिले में एक भी टीबी का पेशेंट ऐसा ना हो जिसकी सरकार को जानकारी ना हो। एक भी टीबी का पेशेंट ऐसा ना जिसके पास भारत सरकार की किट ना पहुंचती हो।'

कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर काम करने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि जितना जमीन की तरफ जाएंगे उतना जमीन से जुड़ेंगे, जितना जमीन से जुड़ेंगे, हमारी ताकत उतनी मजबूत होगी।'

पीएम विश्वकर्मा योजना की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि गावों में पारंपरिक व्यवसाय करने वालों को एक नई ताकत दे रहे हैं, इसके लिए 13-15 हजार करोड़ रुपए का एक प्रारंभिक बजट भी बनाया गया है, ताकि उनको आर्थिक मदद के साथ आधुनिक नए-नए मशीन और टूल तो मिले ही, इसके साथ ही उनका स्किल डेवलपमेंट भी तेजी से हो सके।

पीएम विश्वकर्मा योजना को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं से आग्रह करते हुए उन्होंने कहा, 'अब आपका काम है अब आपके इलाके में इस प्रकार के जो हमारे विश्वकर्मा भाई-बहन हैं। उनकी सूची बनाइए, जो ये परंपरागत काम करते हैं। कुम्हार हैं तो कुम्हारी का

देश में भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण के खिलाफ माहौल बनाएं : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 18 अगस्त, 2023 को दमन (दमन दीव और एवं दादर नगर हवेली) में आयोजित भाजपा के दो दिवसीय क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद् के बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत किया और क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद् को संबोधित किया। प्रधानमंत्रीजी ने इस महत्वपूर्ण बैठक का वर्चुअल उद्घाटन किया और जिला पंचायत सदस्यों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित भाजपा के तमाम वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा और दमन और दीव से लगभग 600 जिला पंचायत सदस्य शामिल हुए। विगत 15 दिनों में भाजपा की क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद् की यह तीसरी महत्वपूर्ण बैठक है।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा एवं उनके मार्गदर्शन से जिला परिषद् अध्यक्षों एवं उपाध्यक्षों का प्रवास एवं प्रशिक्षण शुरू हुआ है। इससे भाजपा से जुड़े जिला परिषद् अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों में काम करने की नयी स्फूर्ति एवं ऊर्जा का संचार हुआ है। क्षेत्रीय पंचायतीराज परिषद् के सफल आयोजन एवं उसके परिणाम के बाद अब भाजपा से जुड़े नगर परिषद्, नगर पंचायत और म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष हेतु भी इसी तरह के प्रशिक्षण प्रवास कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे, ताकि भाजपा से जुड़े जन-प्रतिनिधि प्रशिक्षित होकर समाज एवं देश की सेवा करें और देश को विकसित बनाने में योगदान कर सके।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की राजनीति सहित भाजपा की भी राजनीतिक कार्यसंस्कृति बदल दी है। आज भाजपा के कार्यकर्ता पार्टी का काम करते हुए जन-प्रतिनिधि का दायित्व निभाते हुए ही देश की सेवा भी कर रहे हैं। प्रधानमंत्रीजी की प्रेरणा से लोग राजनीति में एक मकसद के साथ हम काम कर रहे हैं और गांव, गरीब और समाज में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सशक्त करने में अपना योगदान दे रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों से गांव, गरीब, वंचित, पीड़ित, शोषित, महिला, युवा, किसान आदि सबका सशक्तीकरण हुआ है और उन्हें आगे बढ़ने की शक्ति मिली है। जब प्रधानमंत्रीजी की नीतियां सबको सशक्त कर रही हैं, तो भाजपा कार्यकर्ता की जिम्मेदारी बनती है कि हम सब लोग, जिला परिषद् के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष सुनिशिचित करें कि योजना एवं कार्यक्रमों का डिलिवरी लाभार्थियों तक पहुंचे। साथ ही, इन नीतियों से एक भी व्यक्ति लाभान्वित होने से वंचित नहीं हो।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को श्री नड्डा ने विश्वास दिलाया कि उनके मार्गदर्शन में एवं उनसे प्रेरणा लेकर भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता काम कर रहे हैं और आगे भी काम करेंगे। श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्रीजी ने 9 अगस्त और 15 अगस्त को आह्वान किया था कि देश को घुन की तरह खाने वाले भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण से भारत को मुक्त कराए। प्रधानमंत्रीजी ने नारा दिया कि भ्रष्टाचार—क्विट इंडिया, परिवारवाद—क्विट इंडिया और तुष्टीकरण—क्विट इंडिया। देश के उज्ज्वल भविष्य, आत्मनिर्भर भारत और अमृतकाल में विकसित भारत का लक्ष्य पूरा करने के लिए भारतीय जनता पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता इन नारों को लेकर समाज के अंतिम पायदान पर पहुंचे और देश में भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण के खिलाफ माहौल बनाए।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्रीजी द्वारा दिए गए 'मेरी माटी—मेरा देश' कार्यक्रम के तहत हर घर से एक चुटकी मिट्टी या दो दाना चावल लेकर 7500 अमृत कलश दिल्ली लेकर आएंगे। इसके अलावा हर पंचायत एवं ब्लाक में 75-75 पेड़ लगाएंगे। इस कार्यक्रम में गांवों एवं पंचायतों से पेड़ लेकर अमृत कलश के साथ दिल्ली आएंगे और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना 'अमृतवन' में उन पेड़ों का वृक्षारोपण करेंगे। ■

काम करते हैं। लोहार हैं तो लोहारी का काम करते हैं। बार्बर हैं आज भी उस प्रकार से छोटी सी दुकान चलाते हैं। आप सूची बनाइए पूरी नाम पते समेत और हम उनको आर्थिक मदद कर सके तो 17 सितंबर को उन सबको एक बड़ा समारोह कर के पैसे देने की शुरुआत करने वाले हैं और इस योजना को आगे बढ़ाने वाले हैं और देश में ऐसे 25-30 लाख परिवार उनको एक नई मजबूती देनी है।'

वहीं सांसद खेल-कूद स्पर्धा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस अक्टूबर महीने से लेकर फरवरी तक हम पूरे देश में हजारों नौजवानों के साथ-साथ हजारों बेटियों को भी इससे जोड़ना चाहते हैं।

देशभर के जिलों की ब्रांडिंग पर जोर देते हुए श्री मोदी ने कहा कि इससे जिलों की पहचान, उनकी बहुत बड़ी ताकत बन जाएगी।

अभ्यास वर्ग का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि ये चुनाव जीतने का काम नहीं है, हमारा देश 2047 में विकसित भारत बने, इसके लिए हर गांव में विकसित गांव बनाने की ज्योति जलानी है। हर तहसील में विकसित तहसील बनाने की ज्योति जलानी है। हर जिले को विकसित जिला बनाने की ज्योति जलानी है। और ऐसी लाखों ज्योति, एक ऐसा प्रकाशपुंज बन जाएंगी कि अपना देश 2047 में विकसित भारत बनके रहेगा। ■

राज्य में विषम परिस्थितियों में भाजपा उम्मीदवार जीते, वे प्रशंसा के हकदार हैं: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 अगस्त, 2023 को पश्चिम बंगाल में आयोजित क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद् में पार्टी के पूर्वी भारत के प्रतिनिधियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत में देश के विकास का एक मजबूत स्तंभ बनने का सामर्थ्य है। वहां न सिर्फ प्राकृतिक संसाधन भरपूर हैं, बल्कि ऊर्जावान, तेजस्वी और ओजस्वी नागरिकों का भी सामर्थ्य है।

श्री मोदी ने पार्टी और कार्यकर्ताओं के बीच अटूट संबंध के बारे में कहा कि पार्टी के प्रतिनिधि ही देश के लोकतंत्र की पहली कड़ी हैं। भाजपा कार्यकर्ता अपने जिले और राज्य में पार्टी की नींव मजबूत करने का काम करते हैं। इसके लिए उन्हें पसीना भी बहाना पड़ता है और कई बार संघर्ष भी करना पड़ता है। आज के परिदृश्य में पश्चिम बंगाल में हमारे कार्यकर्ता जो संघर्ष कर रहे हैं, वो पूरा देश देख रहा है। देश ने ये भी देखा है कि हाल ही में हुए पंचायत चुनावों में टीएमसी ने कैसा खूनी-खेल खेला। प्रत्याशी के नामांकन नहीं करने देने से लेकर काउंटिंग तक में धांधली कर अपने उम्मीदवारों को जिताना पश्चिम बंगाल में टीएमसी की राजनीति का तरीका बन गया है। इतना सबकुछ करने के बाद भी यदि भाजपा प्रत्याशी जीत जाए तो उन पर जानलेवा हमला कराना ही वहां की असली राजनीति बन गई है। पश्चिम बंगाल में हमारी बहनों को, आदिवासी साथियों को कैसे प्रताड़ित किया जाता है, हम भली-भांति जानते हैं। ऐसे विषम परिस्थितियों में भी यदि भाजपा के उम्मीदवार जीतकर आए हैं, तो इसके लिए आप सभी प्रशंसा के हकदार हैं। जो लोग लोकतंत्र के चैम्पियन बनते हैं, ईवीएम पर सवाल उठाते हैं, आपने उनका नकाब देश के सामने उतार दिया है।

आज के परिदृश्य में पश्चिम बंगाल में हमारे कार्यकर्ता जो संघर्ष कर रहे हैं, वो पूरा देश देख रहा है। देश ने ये भी देखा है कि हाल ही में हुए पंचायत चुनावों में टीएमसी ने कैसा खूनी-खेल खेला

प्रधानमंत्रीजी ने देश में व्याप्त गरीबी और उसके लिए जिम्मेदार सरकार के बारे में बोलते हुए कहा कि देश में पिछले पचास साल से गरीबी हटाओ के नारे दिए जाते थे। लेकिन जिन्होंने ये नारा दिया, वो गरीबी को हटा नहीं पाए। अब सवाल उठता है कि जो काम पांच दशकों में नहीं हो सका, वो भाजपा सरकार ने इतने कम समय में कैसे कर दिखाया? हमने सामान्य मानवी के जीवन की मूलभूत कठिनाइयों को कम किया है। सरकार ने देश में उन 18 हजार गांवों में बिजली पहुंचाई है, जो अभी तक इससे वंचित थे। इनमें से लगभग 13 हजार गांव पूर्वी भारत के ही तो थे। हमने 15 अगस्त 2019 को जल जीवन मिशन की शुरुआत की थी। तब देश के 20 प्रतिशत से भी कम ग्रामीण परिवारों तक नल से जल की सुविधा थी। जबकि आज 60 प्रतिशत से भी ज्यादा ग्रामीण परिवारों को नल से पानी मिल रहा है। मिजोरम जैसे राज्य में 4 साल पहले तक केवल 6 प्रतिशत घरों में पाइप से पानी पहुंचता था। आज ये संख्या 90 प्रतिशत से ज्यादा है। बिजली-पानी की तरह ही पीएम आवास योजना ने भी गरीबों के जीवन को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाई है। बिहार में पिछले 9 वर्षों में 50 लाख से ज्यादा घर पीएम ग्रामीण आवास योजना के तहत बने हैं। पश्चिम बंगाल में लगभग 45 लाख गरीब परिवारों को पक्का घर मिला है। असम में भी गरीबों के लिए 20 लाख घर बने हैं। इन योजनाओं से गरीब की ताकत बढ़ी है, उसे नए अवसर मिले हैं और वो गरीबी से बाहर आया है।

श्री मोदी ने पूर्वी भारत में हुए अभूतपूर्व विकास की चर्चा करते हुए कहा कि हम सभी साक्षी हैं कि पूर्वी भारत में कितनी तेज गति से विकास हो रहा है। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए असम के गुवाहाटी से पश्चिम बंगाल के कल्याणी तक और झारखंड के देवघर से बिहार में दरभंगा तक इस प्लानिंग के साथ नए एम्स खोले गए हैं। पिछले 9 वर्षों में बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओड़ीसा को 31 मेडिकल कॉलेज भी मिले हैं। नॉर्थ ईस्ट में भी

'राज्य सरकार को अदालत से भी फटकार लगी और ममता दीदी सबूत मांगती हैं!'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 12 अगस्त, 2023 को कोलकाता, पश्चिम बंगाल के साइंस सिटी ऑडिटोरियम में हाल ही में राज्य में संपन्न पंचायत चुनाव में विजयी भाजपा जन-प्रतिनिधियों, चुनाव लड़नेवाले उम्मीदवारों और चुनाव के दौरान हुई हुई भयावह हिंसा के पीड़ित परिवारों के साथ मुलाक़ात की और उन्हें आश्वस्त किया कि भारतीय जनता पार्टी उनके साथ चट्टान की तरह खड़ी है। इससे पहले श्री नड्डा हावड़ा स्थित प्रसिद्ध उपन्यासकार और महान विभूति श्री शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के घर गए और वहां उन्होंने पार्टी के 'आमार माटी, आमार देश', 'बियर बंदन, बसुधा बंदन', माटी संग्रह और तिरंगा वितरण अभियान में भाग लिया। कार्यक्रम में श्री नड्डा के साथ प्रदेश भाजपा के कई वरिष्ठ पार्टी नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि आज सुबह प्रधानमंत्रीजी कोलाघाट में भाजपा के दो दिवसीय क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद् की बैठक में वर्चुअली शामिल हुए और उन्होंने उसमें पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला, लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि प्रधानमंत्रीजी ने बंगाल की स्थिति का वर्णन किया तो ममता दीदी गुस्से में आ गई। बोलने लगी इसका सुबूत दिखाओ, प्रमाण लाओ। श्री नड्डा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद हिंसा हुई कि नहीं हुई? लोगों की हत्याएं हुईं कि नहीं हुईं? महिलाओं के साथ बलात्कार और दुर्व्यवहार हुआ कि नहीं हुआ? हजारों लोग विस्थापित हुए कि नहीं हुए? हमारे कई कार्यकर्ताओं की हत्या हुई। सभी अखबारों और टीवी चैनलों में रिपोर्टिंग हुई। ममता दीदी की सरकार को अदालत से भी फटकार लगी और ममता दीदी सबूत मांगती हैं!

तथ्यों के साथ ममता बनर्जी जी को करारा जवाब देते हुए श्री नड्डा ने कहा कि 2021 में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे आते ही हिंसा की लगभग 12 हजार घटनाएं प्रदेश में घटीं। तब लगभग 80 हजार लोगों को विस्थापित होना पड़ा। तब महिलाओं के खिलाफ दुर्व्यवहार के 123 केस सामने आये थे। लगभग 60 लोगों की निर्मम हत्या हुई थी। ममता दीदी, पिछले पंचायत चुनाव और अभी हुए पंचायत चुनाव में भी पश्चिम बंगाल में जमकर हिंसा हुई। इसमें भी हमारे कई कार्यकर्ताओं की निर्मम हत्या हुई। 2023 के पंचायत चुनाव में लगभग 56 से अधिक हत्या हुई। ममता दीदी के पास राज्य का गृह मंत्रालय भी है लेकिन उन्हें नहीं मालूम! भाजपा के कार्यकर्ताओं पर हमले की लगभग 3452 वारदात हुई। बूथ कैप्चरिंग की लगभग 21 हजार से अधिक घटनाएं हुईं। लगभग हजार लोग अपने घरों से विस्थापित हुए। लगभग 3,000 लोग रिलीफ कैम्प्स में रहने को विवश हैं। अदालतों में भी कार्यवाही चल रही है और ममता दीदी सबूत मांगती हैं!

श्री नड्डा ने कहा कि ममता दीदी ने भ्रष्टाचार की बात की है। आप बताइए, बंगाल में टीएमसी कार्यकर्ता टोलाबाजी करता है या नहीं करता है? प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में भ्रष्टाचार हुआ या नहीं हुआ? अम्फान राहत घोटाले में इन लोगों ने भ्रष्टाचार किया, पीएम आवास योजना में भ्रष्टाचार किया, कोयला घोटाला किया, बालू घोटाला किया। भाइपो अभिषेक बनर्जी पर जांच चल रही है कि नहीं? आप बताइए, पश्चिम बंगाल में इन लोगों ने कौन सा घोटाला नहीं किया है? शारदा घोटाला हुआ, रोज वैली का घोटाला हुआ। पार्थो चटर्जी, माणिक बंदोपाध्याय, अनुब्रत मंडल सहित इनके इनके मंत्री और कई नजदीकी भ्रष्टाचार के मामलों में जेल में बंद हैं। इनकी अगली कैबिनेट की मीटिंग भी जेल में होगी। ममता बनर्जी की सरकार में टीचर भर्ती घोटाला हुआ, जॉब फॉर कैश का स्कैम हुआ, गौ तस्करी हुई, ग्रामीण सड़क योजना में घोटाला हुआ। कौन सा ऐसा काम बच गया, जहां घोटाला नहीं हुआ है? ■

मेडिकल कॉलेज की संख्या बढ़कर दोगुनी हो गई है। पश्चिम बंगाल के कल्याणी में, बिहार के भागलपुर में, झारखंड के रांची में, त्रिपुरा के अगरतला और मणिपुर के सेनापति में ट्रिपल आईटी खुले हैं। ओड़ीशा और बिहार को आईआईएम संबलपुर और आईआईएम बोधगया जैसे संस्थान मिले हैं। झारखंड के धनबाद में आईआईटी की भी स्थापना हुई है। बरौनी, सिंदरी, गोरखपुर और तलचर में फर्टीलाइजर कारखाने खुलने से न सिर्फ पूर्वी भारत के किसानों को फायदा हुआ है, बल्कि बड़ी संख्या में रोजगार का भी निर्माण हुआ है।

अपने संबोधन के अंत में श्री मोदी ने कहा कि आज दुनिया तेजी से बदल रही है। गांव-शहर के बीच की दूरियां तेजी से खत्म हो रही हैं। आज जो लोकल है उसकी डिमांड ग्लोबल है। इसीलिए 'वोकल फॉर लोकल' जैसे अभियान के साथ देश ने 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना को लॉन्च किया। इसमें जिले से लेकर देश तक आर्थिक विकास के अनंत अवसर जुड़े हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के प्रतिनिधियों से कहा कि आप प्रयास कीजिए कि छोटे-छोटे कामगारों और उद्योगों को बाज़ार से जोड़ा जा सके, वो जीईएम पोर्टल से जुड़ सकें। लोकल प्रॉडक्ट की सफलता के लिए जीआई टैग की भी बहुत वैल्यू है। हमारे पूर्वी भारत के पास ऐसा कितना कुछ है, जिसे हमें प्रमोट करने की जरूरत है। आज कई सारे पारंपरिक हुनर उपेक्षा के कारण, बाजार न मिलने के कारण लुप्त हो रहे हैं। इन्हें बचाने में पंचायतें सबसे प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं। ■

पिछले पांच सालों में साढ़े तेरह करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 10 अगस्त को लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव का उत्तर दिया। सदन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्रीजी ने कहा कि वे भारत के प्रत्येक नागरिक द्वारा सरकार पर बार-बार भरोसा जताने के लिए उनके प्रति कोटि-कोटि आभार व्यक्त करने आए हैं। श्री मोदी ने उस टिप्पणी को भी याद किया जिसमें उन्होंने कहा था कि यह सरकार के लिए शक्ति परीक्षण नहीं है, बल्कि उन लोगों के लिए है, जिन्होंने 2018 में इसे सदन में पेश किया था, जब विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लेकर आया था। 'कमल संदेश' के सुधी पाठकों के लिए यहां प्रस्तुत है अविश्वास प्रस्ताव पर श्री मोदी के उत्तर का सारांश:

देश की जनता ने हमारी सरकार के प्रति बार-बार जो विश्वास जताया है, उसके लिए मैं आज देश के कोटि-कोटि नागरिकों का आभार व्यक्त करने के लिए उपस्थित हुआ हूं। आने वाला समय टेक्नोलॉजी ड्रिवेन है। आज डेटा को एक प्रकार से सेकेंड गोल्ड के रूप में माना जाता है। गम्भीर चर्चा की जरूरत थी, लेकिन राजनीति आपके लिए प्राथमिकता थी। ऐसे बिल्स थे, जो गांव के लिए, उनके कल्याण के लिए, गरीब के लिए, दलित के लिए, पिछड़ों के लिए, आदिवासियों के लिए, उनके कल्याण की चर्चा करने के लिए थे, उनके भविष्य के साथ जुड़े हुए थे, लेकिन इसमें इन्हें कोई रुचि नहीं है। देश की जनता ने जिस काम के लिए इनको यहां भेजा है, उस जनता के साथ भी विश्वासघात किया गया है। आपको देश के युवाओं के भविष्य की परवाह नहीं है। केवल आपको अपने राजनीतिक भविष्य की चिंता है।

किसी भी देश के इतिहास में एक ऐसा समय आता है, जब वह पुरानी बंदिशों को तोड़कर एक नई ऊर्जा के साथ, एक नई उमंग के साथ, नए सपने के साथ, नए संकल्प के साथ आगे बढ़ने के लिए कदम उठा लेता है। मैं बहुत गंभीरता से लोकतंत्र के इस पवित्र मंदिर में बोल रहा हूं और लंबे अनुभव के बाद बोल रहा हूं। इक्कीसवीं सदी का कालखंड इस सदी का वह कालखंड है, जो भारत के लिए हर सपने को सिद्ध करने का अवसर हमारे चरण में है। यह टाइम पीरियड बहुत अहम है। बदलते हुए विश्व में, मैं इन शब्दों को बड़े विश्वास से कहना चाहता हूं कि यह कालखंड जो कुछ घटेगा, उसका प्रभाव इस देश पर आने वाले 1000 साल तक रहने वाला है। 140 करोड़ देशवासियों का पुरुषार्थ, इस कालखंड में, अपने पराक्रम से, अपने पुरुषार्थ से, अपनी शक्ति और सामर्थ्य से जो करेगा, वह आने वाले 1000 साल की मजबूत नींव रखने वाला है। ऐसे समय में हम सबका एक ही फोकस होना चाहिए— देश का विकास और देश के लोगों के सपनों को पूरा करने का संकल्प। हमारे देश की युवा पीढ़ी के सामर्थ्य का विश्व ने लोहा माना हुआ है, इसलिए हम उन पर भरोसा करें। युवा पीढ़ी जो सपने देख रही है, हमें उन सपनों को संकल्प के साथ सिद्धि तक पहुंचना है।

वर्ष 2014 में 30 साल बाद देश की जनता ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। वर्ष 2019 में भी उस ट्रैक रिकॉर्ड को देखकर उनके सपनों को संजोने का सामर्थ्य दिया है, उनके संकल्पों को सिद्ध करने की ताकत कहां है, इसे देश भली-भांति पहचान गया है। वर्ष 2019 में इसलिए एक बार हम सबको सेवा करने का मौका दिया और अधिक मजबूती के साथ दिया। हमने दुनिया में भारत की बिगड़ी हुई साख को संभाला है।

भारत में रिकॉर्ड विदेशी निवेश

आज भारत में रिकॉर्ड विदेशी निवेश आ रहा है। देश में गरीबी तेजी से घट रही है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार पिछले पांच सालों में साढ़े तेरह करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। आईएमएफ अपने एक वर्किंग पेपर में लिखता है कि भारत ने अति गरीबी को करीब-करीब खत्म कर दिया है। आईएमएफ ने भारत

के डीबीटी और हमारे दूसरे सोशल वेलफेयर स्कीम के लिए कहा है कि यह लॉजिस्टिकल मारवल है। 'जल जीवन मिशन' के जरिए भारत में चार लाख लोग गरीब, पीड़ित, शोषित परिवारों के जीवन की रक्षा हो रही है। 'स्वच्छ भारत अभियान' से तीन लाख लोगों को मरने से बचाया गया है। यूनिसेफ ने कहा है कि 'स्वच्छ भारत अभियान' के कारण हर साल गरीबों के पचास हजार रुपये बच रहे हैं, लेकिन भारत की इन उपलब्धियों से कांग्रेस समेत विपक्ष के कुछ दलों को अविश्वास है। एचएएल और एलआईसी को लेकर भी विचार खड़ा किया गया था। आज एलआईसी और बैंक दोनों लगातार मजबूत हो रही है। मेरा पक्का विश्वास है कि देश भी मजबूत होने वाला है, लोकतंत्र भी मजबूत होने वाला है।

रिफॉर्म, परफॉर्म एंड ट्रान्सफॉर्म

1991 में देश कंगाल होने की स्थिति में था। कांग्रेस के शासन काल में अर्थव्यवस्था दुनिया के क्रम में 10, 11, 12 के बीच में झूलती रही थी, लेकिन 2014 के बाद भारत ने टॉप पांच में अपनी जगह बना ली है। मैं आज सदन को बताना चाहता हूं, रिफॉर्म, परफॉर्म एंड ट्रान्सफॉर्म, एक निश्चित आयोजन, प्लानिंग और कठोर परिश्रम, परिश्रम की पराकाष्ठा, इसी की वजह से आज देश इस मुकाम पर पहुंचा है। इस प्लानिंग और परिश्रम की निरंतरता बनी रहेगी। आवश्यकतानुसार उसमें नए रिफॉर्म्स होंगे और परफॉर्मेंस के लिए पूरी तरह ताकत को लगाया जाएगा और परिणाम यह होगा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में हमारे देश तीसरे स्थान पर होगा। विपक्ष के मित्रों की फितरत में ही अविश्वास भरा पड़ा है। जब भी नई योजना नीति की योजना की जाती है, विपक्ष के लोग उसमें अविश्वास प्रकट करते है चाहे वह स्वच्छ भारत अभियान हो, जनधन खाता खोलने की बात हो, स्टार्टअप इंडिया हो, डिजिटल इंडिया हो, मेक-इन-इंडिया हो, इन सभी कार्यक्रमों का मजाक उड़ाया गया।

विपक्ष को लगता है कि नाम बदलकर देश पर राज कर लेंगे। गरीब को चारों तरफ उनका नाम तो नजर आता है, लेकिन उनका काम कहीं नजर नहीं आता है। अस्पतालों में नाम उनके हैं, इलाज नहीं। संस्थाए, नाम लटक रहे हैं, सड़कें हों, पार्क हो, उनका नाम, गरीब कल्याण की योजनाओं पर उनका नाम, खेल पुरस्कारों पर उनका नाम, एयरपोर्ट पर उनका नाम, म्यूजियम पर उनका नाम, अपने नाम से योजनाएं चलायीं और फिर उन योजनाओं में हजारों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार किए। समाज के अंतिम छोर पर खड़ा व्यक्ति काम होते देखना चाहता था, लेकिन उसे मिला क्या, सिर्फ और सिर्फ परिवार का नाम। हमारे संविधान निर्माताओं ने हमेशा परिवारवादी राजनीति का विरोध किया था। महात्मा गांधी, सरदार वल्लभ भाई पटेल, बाबा साहब अम्बेडकर, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, मौलाना आजाद, गोपीनाथ बोरदोलाई, लोकनायक जय प्रकाश, डॉ. लोहिया इत्यादि सभी ने परिवारवाद की खुलकर आलोचना की है क्योंकि परिवारवाद का नुकसान देश के सामान्य नागरिकों को उठाना पड़ता है।

सरदार पटेल को कांग्रेस ने हमेशा नकारा

सरदार पटेल के योगदान को भी कांग्रेस ने हमेशा नकारा। सरदार साहब को समर्पित विश्व की सबसे ऊंची स्टैच्यू ऑफ यूनिटी प्रतिमा बनाने का गौरव भी हमें प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री संग्रहालय, दल और पार्टी से ऊपर उठ कर सभी प्रधानमंत्रियों को समर्पित है। एक ज़माना था कि कभी ड्राईक्लीन के लिए कपड़े हवाई जहाज़ से आते थे। आज हवाई चप्पल वाला गरीब हवाई जहाज़ में उड़ रहा है। चुनाव जीतने के लिए अनाप-शनाप वायदों के कारण कुछ राज्यों में जनता के ऊपर नये-नये बोझ और प्रोजेक्ट्स बंद करने की विधिवत घोषणा की जा रही है। विपक्ष के गठबंधन की आर्थिक नीतियों का मैं परिणाम साफ देख रहा हूं। मैं देशवासियों को यह सत्य समझाना चाहता हूं कि यह गठबंधन भारत के दिवालिया होने की गारंटी है। विपक्ष ने गृह मंत्री जी की मणिपुर विषय की चर्चा पर सहमति दिखायी होती तो अकेले मणिपुर विषय पर विस्तार से चर्चा हो सकती थी। कल माननीय गृह मंत्री ने विस्तार से इस विषय पर जब चीजें रखीं तो देश को भी आश्चर्य हुआ है कि ये लोग इतना झूठ फैला सकते हैं। अविश्वास के सारे विषय पर बोले। ट्रेजरी बेंच का भी दायित्व बनता है कि देश के विश्वास को प्रकट करे, देश के विश्वास को नई ताकत दे, देश के प्रति अविश्वास करने वालों के लिए करारा जवाब दे, यह हमारा भी दायित्व बनता है।

मणिपुर की स्थिति पर देश के गृह मंत्री जी ने कल बहुत विस्तार और बड़े धैर्य से बिना रत्ती भर राजनीति किए सारे विषय को विस्तार से समझाया। सरकार और देश की चिंता प्रकट की। उसमें देश की जनता को जागरूक करने का भी प्रयास था। गृह मंत्री जी ने बताया मणिपुर में अदालत का एक फैसला आया। अदालतों में क्या हो रहा है, यह हम जानते हैं। उसके पक्ष-विपक्ष में जो परिस्थितियां बनीं, हिंसा का दौर शुरू हो गया। उसमें बहुत सारे परिवारों को मुश्किल हुई, अनेक लोगों ने अपने स्वजन भी खोए हैं। महिलाओं के साथ गंभीर अपराध भी हुए। यह अपराध अक्षम्य है और दोषियों को कड़ी सजा दिलवाने के लिए केन्द्र सरकार और राज्य सरकार मिलकर भरपूर प्रयास कर रही है। मैं मणिपुर के लोगों से आग्रहपूर्वक कहना चाहता हूं, वहां की माताओं, बहनों और बेटियों से कहना चाहता हूं कि देश आपके साथ है, यह सदन आपके साथ है। कोई यहां हो या न हो, मैं मणिपुर के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि मणिपुर फिर विकास की राह पर तेज गति से आगे बढ़े, इसके प्रयासों में कोई कोर कसर नहीं रहेगी।

पूर्वोत्तर के प्रति भावनात्मक लगाव

मेरा नॉर्थ ईस्ट के प्रति इमोशनल अटैचमेंट हैं। हमारे लिए नॉर्थ ईस्ट हमारे जिगर का टुकड़ा है। आज मणिपुर की समस्याओं को ऐसे प्रस्तुत किया जा रहा है जैसे बीते कुछ

समय में ही वहां यह परिस्थिति पैदा हुई हो। इन समस्याओं की कोई जननी है, तो जननी एकमात्र कांग्रेस है। नॉर्थ ईस्ट के लोग इसके लिए जिम्मेवार नहीं है, इनकी ये राजनीति जिम्मेवार है। मोइरांग में आजाद हिंद फौज के संग्रहालय पर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर बम फेंका जाना, मणिपुर में स्कूलों में राष्ट्रगान नहीं होने का निर्णय, अभियान चलाकर लाइब्रेरी में रखी गई किताबों को जलाया जाना, देश के अमूल्य ज्ञान की विरासत को जलाया जाना, इंफाल के मंदिर पर बम फेंकने की घटनाए, ये सभी घटनाएं कांग्रेस की ही सरकार में हुई। मणिपुर में मंदिर की घंटी शाम को चार बजे बंद हो जाती थी, ताले लग जाते थे और सेना का पहरा लगाना पड़ता था। विपक्ष को सिर्फ राजनीति के सिवाय कुछ नहीं सूझता है। मणिपुर की सरकार पिछले छः सालों से इन समस्याओं का समाधान ढूंढ़ने के लिए लगातार समर्पित भाव से कोशिश कर रही है। हम जितना ज्यादा राजनीति को दूर रखेंगे, उतनी शांति निकट आएगी।

मैं देशवासियों को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि हमें नॉर्थ-ईस्ट आज भले ही दूर लगता हो, लेकिन जिस प्रकार से साउथ ईस्ट एशिया का विकास हो रहा है, जिस प्रकार से आसियान देशों का महत्व बढ़ रहा है, वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमारी ईस्ट की इस प्रगति के साथ-साथ नॉर्थ-ईस्ट वैश्विक दृष्टि से सेन्टर पॉइंट बन जाएगा। मैं यह देख रहा हूं और इसलिए मैं पूरी ताकत से आज नॉर्थ-ईस्ट की प्रगति के लिए लड़ रहा हूं, वोट के लिए नहीं कर रहा हूं।

नॉर्थ-ईस्ट के विकास को पहली प्राथमिकता

हमारी सरकार ने नॉर्थ-ईस्ट के विकास को पहली प्राथमिकता दी है। पिछले 9 वर्षों में लाखों-करोड़ों रुपये नॉर्थ-ईस्ट के इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमने लगाए हैं। आज आधुनिक हाईवे, आधुनिक रेलवे, आधुनिक नए एयरपोर्ट्स, ये नॉर्थ-ईस्ट की पहचान बन रहे हैं। आज पहली बार अगरतला रेल कनेक्टिविटी से जुड़ा है। पहली बार मणिपुर में गुड्स ट्रेन पहुंची है। पहली बार नॉर्थ ईस्ट में वंदेभारत जैसी आधुनिक ट्रेन चली है। पहली बार अरुणाचल प्रदेश में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बना है। सिक्किम की एयर कनेक्टिविटी हुई है। पहली बार वाटरवेज के जरिए पूर्वोत्तर इंटरनेशनल फ्रेट का गेटवे बना है। पहली बार नॉर्थ-ईस्ट में एम्स जैसा मेडिकल संस्थान

> **आओ मिलकर के चलें, मणिपुर के लोगों को विश्वास देकर के चलें, राजनीति का खेल करने के लिए मणिपुर की भूमिका का कम से कम दुरुपयोग न करें**

खुला है। पहली बार मणिपुर में देश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी खुल रही है। पहली बार मिजोरम में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन जैसे संस्थान खुल रहे हैं। पहली बार केन्द्रीय मंत्रिमंडल में नॉर्थ-ईस्ट की इतनी भागीदारी बढ़ी है। पहली बार नागालैंड से एक महिला सांसद राज्य सभा में पहुंची है। पहली बार इतनी बड़ी संख्या में नॉर्थ-ईस्ट के लोगों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

'सबका साथ सबका विकास'

हम जब 'सबका साथ सबका विकास' कहते हैं तो यह हमारे लिए नारा नहीं है। ये हमारे लिए आर्टिकल ऑफ फेथ है। हम इसके प्रति कटिबद्ध हैं। संसद, यह दल के लिए प्लेटफॉर्म नहीं है । संसद, यह देश के लिए सम्माननीय सर्वोच्च संस्थान है और इसलिए सांसदों के लिए भी इसके प्रति गंभीरता होना बहुत जरूरी है। यहां का पल-पल का उपयोग देश के लिए होना चाहिए। मेरा इस देश की जनता पर अटूट विश्वास है, अपार विश्वास है। मैं विश्वास से कहता हूं कि हमारे देश के लोग एक प्रकार से अखंड विश्वासी लोग हैं। ये संकल्प के लिए समर्पण करने की परंपरा को लेकर चलने वाला समाज है। बीते 9 वर्षों में देश के सामान्य मानवी का विश्वास नई बुलंदियों को छू रहा है। मेरे देश के नौजवान विश्व की बराबरी करने के सपने देखने लगे हैं।

हर भारतीय विश्वास से भरा हुआ

इससे बड़ा सौभाग्य क्या हो सकता है कि हर भारतीय विश्वास से भरा हुआ है। बीते वर्षों में विकसित भारत की एक मजबूत नींव रखने में हम सफल हुए हैं। सपना लिया है कि 2047 में, जब देश आज़ादी के 100 वर्ष मनायेगा, तब इस विश्वास के साथ मैं कहता हूं कि 2047 में हिन्दुस्तान विकसित हिन्दुस्तान होगा। साथियो, भारत विकसित भारत होगा और यह देशवासियों के परिश्रम से होगा। देशवासियों के विश्वास से होगा, देशवासियों के संकल्प से होगा, देशवासियों की सामूहिक शक्ति से होगा, देशवासियों की अखंड एक राष्ट्र-पुरुषार्थ से होने वाला है। इतिहास हमारे कर्मों को देखने वाला है, जिन कर्मों से एक समृद्ध भारत का सपना साकार करने के लिए मजबूत नींव का कालखंड रहा है, उस रूप में देखा जाएगा।

मैं सदन के साथियों से आग्रह करूंगा, आप समय को पहचानिये, साथ मिलकर के चलें। इस देश में मणिपुर से भी गंभीर समस्याएं पहले भी आई हैं, लेकिन हमने मिलकर के रास्ते निकाले हैं। आओ मिलकर के चलें, मणिपुर के लोगों को विश्वास देकर के चलें, राजनीति का खेल करने के लिए मणिपुर की भूमिका का कम से कम दुरुपयोग न करें। मैं फिर एक बार प्रस्ताव लाने वालों का तो मैं आभार व्यक्त करता हूं, लेकिन यह प्रस्ताव देश के विश्वासघात का प्रस्ताव है, देश की जनता इसे अस्वीकार करे, यह ऐसा प्रस्ताव है। ■

यह सरकार गरीबों के लिए काम करने वाली सरकार है: अमित शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नौ अगस्त को लोक सभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चल रही बहस में भाग लिया। उन्होंने कहा कि ये अविश्वास प्रस्ताव ऐसा है जिसमें प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद् के प्रति न जनता और न ही सदन को अविश्वास है। ये अविश्वास प्रस्ताव सिर्फ जनता में भ्रांति पैदा करने के लिए लाया गया है और ये जनता की इच्छाओं का प्रतिबिंब नहीं है। 'कमल संदेश' के सुधी पाठकों के लिए यहां प्रस्तुत है अविश्वास प्रस्ताव पर श्री शाह की बहस का सारांश:

मैं आज विपक्ष द्वारा सभा में प्रस्तुत किए गए अविश्वास प्रस्ताव पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए खड़ा हूं। मैं निश्चित रूप से इस निर्णय पर पहुंचा हूं कि यह अविश्वास प्रस्ताव केवल और केवल भ्रांति खड़ा करने के लिए लाया गया है। यह प्रजा की इच्छाओं का प्रतिबिंब नहीं है। जनता में सरकार के प्रति विश्वास विद्यमान है। विश्वास इसलिए है कि देश के 60 करोड़ गरीबों को उनके जीवन में नई आशा का संचार अगर कोई एक प्रधानमंत्री और एक सरकार ने किया है, वह यह सरकार है। आजादी के बाद किसी सरकार में जनता को सबसे ज्यादा विश्वास है, तो वह इस सरकार में है। आजादी के बाद देश में अगर कोई सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री हैं, तो वह वर्तमान प्रधानमंत्री हैं।

पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस को तरजीह

इस सरकार के नौ सालों में 50 से ज्यादा ऐसे फैसले हैं। जो इतिहास के अंदर स्वर्ण अक्षरों से निबंधित हैं। वर्ष 2014 से पहले भारतीय लोकतंत्र भ्रष्टाचार, जातिवाद और परिवारवाद से जकड़ा हुआ था। माननीय प्रधानमंत्री जी ने भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण को हटाकर पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस को तरजीह दी। अविश्वास का प्रस्ताव एक संवैधानिक प्रक्रिया है। विपक्ष का यह अधिकार है कि वह अविश्वास का प्रस्ताव लेकर आए। अविश्वास के प्रस्ताव से पार्टियों और गठबंधनों के चरित्र उजागर होते हैं। ऐसा पहले कई अविश्वास प्रस्तावों के दौरान देखने में आया है। मोदी जी के नेतृत्व में, भारतीय जनता पार्टी देश में सिद्धांतों की राजनीति को प्रस्थापित करने के लिए राजनीति में है, येन-केन-प्रकारेण सत्ता को बचाने के लिए राजनीति में नहीं है। जब अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है तो सरकार के समग्र

कामकाज पर क्वेश्चन मार्क लगाते है। चूंकि यह क्वेश्चन मार्क पॉलिटिकली मोटिवेटेड है, इसलिए मुझे सरकार के परफॉर्मेंस की चर्चा करनी पड़ेगी।

गरीब कल्याण

इस सरकार ने 9.6 करोड़ गरीब परिवारों के गैस सिलैंडर देने और 11.72 लाख परिवारों को शौचालय देने का काम किया। 'हर घर जल' के माध्यम से 12.65 लाख घरों में नल से जल पहुंचाने का काम किया है। 14.5 करोड़ किसानों के बैंक अकाउंट में 2,40,000 करोड़ रुपये डाले। 50 करोड़ लोगों को पांच लाख रुपए तक का सारा स्वास्थ्य का खर्चा माफ कर दिया है। 25 लाख करोड़ रुपया देश के गरीबों के बैंक अकाउन्ट में सीधा ट्रांसफर किया गया है। सरकार के कुशल नेतृत्व में देश कोरोना काल का सफलतापूर्वक सामना कर पाया। सरकार ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग बनाया, पिछड़े वर्गों को संवैधानिक मान्यता दी और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को 10 प्रतिशत का रिजर्वेशन दिया।

यह सरकार गरीबों के लिए काम करने वाली सरकार है। स्वास्थ्य के बजट में 139 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। पिछले आठ वर्षों में 4,85,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। 'आत्मनिर्भर भारत' की रचना कैसी होती है, इसकी नींव कैसे डाली जा सकती है, डिफेंस जैसे अति टेक्नोलॉजी और स्पर्धात्मक क्षेत्र में इस काम को इस सरकार ने किया है। आज भारत रक्षा उत्पादन का एक प्रमुख केंद्र बना है। किसानों के कल्याण के लिए ढेर सारे काम किए गए हैं। बजट में छह गुना वृद्धि की गई है। सबसे ज्यादा एमएसपी और ज्यादा मात्रा में धान खरीदने का काम इसी सरकार ने किया है। मैं देश की आंतरिक सुरक्षा के प्रति आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं। पीएफआई जैसे संगठन कई सालों से देश को तोड़ने, इसकी जनसांख्यिकी बदलने और देश के अंदर आतंकवाद के बीज बोने का काम कर रही थी। इस पर बैन लगाकर पीएफआई वालों को जेल की सलाखों के पीछे डाला।

आंतरिक सुरक्षा

सरकार ने ड्रग्स और नारकोटिक्स के बढ़ते चलन से पूरे देश को मुक्त करने के लिए अनेक कदम उठाए है और इसमें अपार सफलता हासिल की है। इस देश की आंतरिक सलामति की दृष्टि से तीन बड़े हॉटस्पॉट

माने जाते हैं—कश्मीर, वामपंथी उग्रवाद का क्षेत्र और नॉर्थ-ईस्ट। कांग्रेस की सरकार सालों तक रही और यह चलता रहा। आज मैं स्पष्ट रूप से इस सदन में कहना चाहता हूं कि कश्मीर की समस्या का कारण वोट बैंक की राजनीति, समस्या से आंख मूंदना और सरकारों का ढुलमुल रवैया था। कश्मीर में वर्ष-2014 से हमारी नीतियों में परिवर्तन आया। कश्मीर के अंदर परिवर्तन लाने वाला युगान्तरकारी निर्णय इस सरकार ने किया। पिछले 9 साल की अवधि में आतंकवाद की कुल घटनाओं में 68 प्रतिशत की कटौती हो चुकी है। सिक्युरिटी और नागरिक, दोनों को मिलाकर कुल मौतों में 72 प्रतिशत की कमी हुई है। सिर्फ नागरिकों की मौतों में 82 प्रतिशत की कमी हुई है। एनआईए और ईडी को जोड़ा गया। और अलगाववादी गतिविधियों को संज्ञान देने वाले फाइनेंस की कमर तोड़ी गई। वामपंथी उग्रवाद और उसके केसों की जांच के लिए एनआईए में एक अलग वर्टिकल बनाया गया।

नॉर्थ-ईस्ट को मेनस्ट्रीम में लाने का काम

अब मैं पूर्वोत्तर की बात करना चाहता हूं। नॉर्थ-ईस्ट भी जो तीसरा हॉटस्पॉट माना जाता था। वहां हिंसक घटनाएं 10,000 से घटकर 3,238 हुई हैं। यानी 68 प्रतिशत कम हुई है। हताहत सुरक्षा बल— 397, अब 128 हैं, 68 प्रतिशत की कमी हुई। मृत्यु नागरिक— 2,298 थी, अब 420 हैं, 82 प्रतिशत की कमी हुई है। हर हेड में नॉर्थ-ईस्ट के अंदर हिंसा कम हुई है। मोदी सरकार ने नॉर्थ-ईस्ट को मन से भारत के साथ जोड़ने का काम किया है। और नॉर्थ-ईस्ट को मेनस्ट्रीम में लाने का काम किया है। मोदी जी 9 साल में 50 से ज्यादा बार नॉर्थ ईस्ट गए हैं। एक भ्रान्ति देश भर की जनता के सामने फैलाई गई है कि यह सरकार मणिपुर पर चर्चा के लिए तैयार नहीं है। मैं आज यह बताना चाहता हूं कि सदन आहूत भी नहीं हुआ था, मैंने पत्र लिखकर अध्यक्ष जी से मांग की थी कि सरकार के लिए तैयार; मैं चर्चा के लिए तैयार हूं, मगर वे चर्चा नहीं चाहते थे, उनको विरोध करना था। अगर वे मेरी चर्चा से संतुष्ट न होते तो फिर कहते कि प्रधानमंत्री जी चर्चा करें। मणिपुर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर गृह मंत्री को अपना पक्ष न रखने दें, तो किस प्रकार की डेमोक्रेटिक व्यवस्था आप चाहते हैं?

हिंसाओं का आंकड़ा इसलिए बताना चाहता हूं कि मणिपुर की नस्लीय हिंसाओं के स्वभाव को जनता को जानना पड़ेगा। मणिपुर में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को छह साल पूरे हो चुके हैं। इन छः सालों में मणिपुर में कुल 8,000 सशस्त्र उग्रवादियों ने नरेन्द्र मोदी जी के 9 साल में सरेंडर किया है। मणिपुर में आग की लपटें क्यों हुई, मैं उस बात पर आता हू, परंतु आपके समय में तो आठों राज्य आग की लपटों से घिरे हुए थे और हिंसा में 6 हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे, जो अब सरेंडर होकर मेनस्ट्रीम के अंदर आए। पूर्वोत्तर के अंदर हमने हिंसक घटनाओं में 68 प्रतिशत, सुरक्षा बलों की हत्याओं में 68 प्रतिशत और हताहत नागरिक में 82 प्रतिशत की कमी की है।

मणिपुर में हिंसक घटनाएं शर्मनाक

अब मैं मणिपुर की बात करना चाहता हूं कि मणिपुर में जो हिंसक घटनाएं हुई हैं, वे क्यों हुई हैं, क्या स्थिति है और इससे निपटने के लिए हमने क्या कुछ किया है। वहां पर हिंसा का और तांडव हुआ है यह परिस्थितिजन्य ऐसी घटनाओं का कोई समर्थन नहीं कर सकता जो घटना वहां हुई है, वह शर्मनाक है, परन्तु उस घटना पर राजनीति करना इससे भी ज्यादा शर्मनाक है।

29 अप्रैल को एक अफवाह फैल गई कि जो शरणार्थियों की 58 बसावटें थीं, वे गांव घोषित कर दिए। ये अफवाहें जब फैलती हैं तो वह फैलती है और अविश्वास का वातावरण बनता है। उससे एक अनरेस्ट खड़ा हुआ। उसके बाद आग में तेल डालने का काम माननीय हाई कोर्ट, मणिपुर के आए हुए एक फैसले ने किया। जिसके अंतर्गत 29 अप्रैल के पहले मैतेई जाति को ट्राइबल घोषित कर दिया। ट्राइबलों में बड़ा अनरेस्ट हुआ कि अब मैतेई ट्राइबल बन जाएंगे। ये परिस्थिति जन्य दंगे हैं। वर्ष 2021 म्यांमार में सत्ता का परिवर्तन होने के बाद से मिजोरम और मणिपुर में कुकी भाइयों का शरणार्थी के रूप में आना शुरू हो गया। मणिपुर के बाकी हिस्सों में एक असुरक्षा की भावना पैदा हो गई कि हमारी जनसांख्यिकी बदल जाएगी। हमने उसे देखा और उसी वक्त हमने गृह मंत्रालय में फिर इससे एक अंदेशा खड़ा होने लगा, क्योंकि वहां पर जनसांख्यिकी बहुत निर्णायक होती है। वहां पर घाटी में मैतई रहते हैं और पहाड़ पर कुकी और नागा ट्राइबल भाई रहते हैं। तो जनसांख्यिकी के बदलाव का बड़ा दबाव रहता है कि हम अल्पमत में आ जाएंगे। एक असुरक्षा की भावना मैतई लोगों में फैलती गई। माननीय प्रधानमंत्री ने इस पूरे मामले का तुरंत संज्ञान लिया और सरकार द्वारा सुरक्षा बलों की भारी संख्या में तैनाती और अनेक अन्य प्रशासनिक उपायों का अविलम्ब प्रभावी किया गया। हिंसा की घटनाएं धीरे-धीरे कम हो रही हैं।

शांति के लिए प्रयास

मैं वहां शांति के लिए किए गए प्रयासों से भी सदन को अवगत करना चाहता हूं। हमने इस सारे मामले की जांच के लिए हाईकोर्ट के सेनानिवृत्त न्यायाधीश का एक कमीशन बना दिया है, जिसमें एक आईएएस और आईपीएस अफसर भी हैं। राज्यपाल महोदय को उसका अध्यक्ष बनाकर शांति समिति को हमने वहां प्रस्थापित किया है। 36,000 से अधिक सुरक्षाकर्मी, मैतई और कुकी समुदायों समूह रहता है, के बीच में बफर जोन बनाकर खड़े हैं। बेहतर इंटर एजेंसी समन्वय के लिए

'कांग्रेस की समझौतावादी नीतियों की वजह से ही भारतवासियों को विभाजन का दंश झेलना पड़ा'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 14 अगस्त, 2023 को नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' कार्यक्रम को संबोधित किया और कहा कि कांग्रेस की समझौतावादी एवं तुष्टीकरण की नीतियों की वजह से ही भारत और भारतवासियों को विभाजन का दंश झेलना पड़ा। उनकी स्वार्थी नीतियों की वजह से ही देश खंडित हुआ, डेढ़ करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हुए और लाखों लोगों की हत्याएं हुईं लेकिन कांग्रेस आज भी उसी समझौतावादी और तुष्टीकरण की नीति पर चल रही है। इतिहास के पन्नों को देखते हुए देशवासियों को सजग रहने की जरूरत है ताकि वैसी घटनाएं दोबारा नहीं हो। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री विजय कुमार मल्होत्रा, दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सचदेवा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विभाजन के बाद उत्पन्न स्थिति की ओर आकृष्ट करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि जब देश आजादी मना रहा था तब करोड़ों लोग अपनी जान बचाते हुए इस भूभाग—वर्तमान भारत—में प्रवेश कर रहे थे। देश के विभाजन के कारण लगभग डेढ़ करोड़ परिवार विस्थापित हुए थे और लगभग 10 लाख लोगों की जानें गयीं। वह कोई छोटी घटना नहीं थी, बल्कि बहुत बड़ी घटना थी, जिससे मानवता शर्मशार हुई। उस समय के नेतृत्व ने जिस तरीके से छोटी

सफलता के लिए बड़े उद्देश्यों के साथ समझौता किया था, यह उसी का परिणाम था। लम्हों ने खता की,सदियों ने सजा पायी। यह उस तरह की खता—गलती थी।

श्री नड्डा ने कहा कि सन 1906 में मुस्लिम लीग की स्थापना हुई थी और मुस्लिम लीग ने 1909 में ही 'सेपरेट इलेक्टोरेट' की मांग की थी। 1916 में मुस्लिम लीग और इंडियन नेशनल कांग्रेस के बीच में 'लखनऊ पैक्ट' हुआ था। इस 'पैक्ट' में कांग्रेस और मुस्लिम लीग ने तय किया कि सुनियोजित ढंग से इलेक्टोरेट धर्म के आधार पर होगा। कांग्रेस पार्टी ने मुस्लिम लीग की बात मान ली कि धर्म के आधार पर प्रोविन्सियल कांउसिल में इलेक्टोरेट मिलेगा। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू एवं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत ने 8 अगस्त, 1950 को 'लियाकत पैक्ट' किया था। यह तय हुआ कि पाकिस्तान में रहने वाले हिन्दू भाई वहीं रह जाएं। हिंदू भाई-बहनों को वहां मुसीबत में छोड़ दिया गया। उनको लाने की व्यवस्था नहीं की गयी। लियाकत पैक्ट के तहत लोगों से कहा गया कि जो जहां है वहीं रह जाओ और वहीं का नागरिकता ले लो। सबसे खास बात यह है कि खान अब्दुल गफ्फार खां को भी कह दिया गया कि आप पाकिस्तान चले जाओ। नार्थ वेस्ट प्रोविंस बनाकर उनको भी वहां भेज दिया। खान अब्दुल गफ्फार खां ने कहा कि आप हमें भेड़ियों के सामने भेज रहे हो। उनके साथ भी दगा किया गया और सबको मालूम है कि उनके अंतिम दिन कैसे गुजरे थे। सरदार बल्लभ भाई पटेल ने कहा कि जिन्ना पागलपन का सपना देख रहा है। लियाकत पैक्ट के बाद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने नेहरू कैबिनेट से इस्तीफा दिया था और उसके बाद जनसंघ की स्थापना की थी। भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष बनने के बाद डॉ. मुखर्जी ने कहा कि एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 5 अगस्त, 2019 को धारा 370 को धाराशायी कर दिया और उनकी तुष्टीकरण की नीति को समाप्त कर दिया।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का आह्वान करने के पीछे मूल उद्देश्य यह है कि आने वाले पीढ़ी को भी बताएं कि हमारे देश में क्या हुआ था? कैसे लम्हों ने खता की थी और सदियां सजा पा रही है? कैसे हमारे नेताओं ने समझौता किया था, एक-एक बात सबके सामने आना चाहिए। ■

यूनिफाइड कमांड व्यवस्था बनाई है, क्योंकि वहां बीएसएफ भी है, सीआरपीएफ भी है, असम राइफल्स भी है, सेना भी है और मणिपुर पुलिस भी है। पांचों सुरक्षा पीड़ित और पुनर्वसन पैकेज दिया गया है। सभी मृतकों के परिवार वालों को दस लाख रुपए चुकाने का काम समाप्त हो चुका है। लगभग 30 हजार मीट्रिक टन चावल वहां भेजा गया है। किसी भी क्षेत्र में मेडिकल सुविधाओं का अभाव न हो, भारत सरकार की आठ टीमें अलग-अलग एम्स से वहां कैम्प कर दी गई हैं। 98 प्रतिशत स्कूल खुले हैं घाटी में 98 प्रतिशत स्कूल्स खुल गए हैं, 80 प्रतिशत उपस्थिति रहती है। सुरक्षा की समीक्षा हर सप्ताह वीडियो कांफ्रेंस से यूनिफाइड कमांड के साथ की जा रही है। इतनी क्लोज़-वॉच के साथ वहां शांति बनाने का प्रयास चल रहा है। मैं इस सदन के माध्यम से मणिपुर के दोनों समुदायों से करबद्ध निवेदन करना चाहता हूं कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। मेरा अनुरोध है कि साथ में बैठकर, भारत सरकार के साथ बैठकर इस समस्या का समाधान निकाल दीजिए। अफवाहों से ज्यादा अविश्वास का वातावरण पैदा हुआ है। भारत सरकार की जरा भी मंशा नहीं है कि वहां की डेमोग्राफी को चेंज कर दिया जाए। मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि इस विषय पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। ■

संसद के दोनों सदनों से कुल 23 विधेयक पारित

संसद का मानसून सत्र, 2023 जो 20 जुलाई, 2023 को शुरू हुआ, 11 अगस्त, 2023 को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया। सत्र में 23 दिनों की अवधि में संसद 17 बार बैठी। सत्र के दौरान लोकसभा में 20 विधेयक और राज्यसभा में 5 विधेयक पेश किये गये। लोकसभा में 22 बिल और राज्यसभा में 25 बिल पास हुए। लोकसभा और राज्यसभा की अनुमति से क्रमशः एक-एक विधेयक वापस ले लिया गया। सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित विधेयकों की कुल संख्या 23 है

सत्र के दौरान दोनों सदनों द्वारा पारित प्रमुख विधेयक निम्न हैं:

- **सिनेमैटोग्राफ (संशोधन) विधेयक, 2023** का उद्देश्य फिल्म पायरेसी की जांच करने, प्रमाणन की आयु-आधारित श्रेणियां पेश करने और मौजूदा अधिनियम में अनावश्यक प्रावधानों को हटाने के लिए अधिनियम में सक्षम प्रावधानों को शामिल करके प्रदर्शन के लिए फिल्मों को मंजूरी देने की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी और बदले हुए समय के अनुरूप बनाना है।
- **संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (तीसरा संशोधन) विधेयक, 2023** हिमाचल प्रदेश में अनुसूचित जनजाति की सूची में सिरमौर जिले के ट्रांस गिरी क्षेत्र के हाटी समुदाय को शामिल करने का प्रयास करता है।
- **संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (पांचवां संशोधन) विधेयक, 2023** भुइयां और भुयान समुदायों को भरिया भूमिया समुदाय के पर्यायवाची के रूप में शामिल करने का प्रयास करता है। इसमें छत्तीसगढ़ में पंडो समुदाय के नाम के तीन देवनागरी संस्करण भी शामिल हैं।
- **बहु-राज्य सहकारी सोसायटी (संशोधन) विधेयक, 2023** का उद्देश्य (i) मौजूदा कानून को पूरक करके और निन्यानबेवें संवैधानिक संशोधन के प्रावधानों को शामिल करके बहु-राज्य सहकारी समितियों में शासन को मजबूत करना, पारदर्शिता बढ़ाना, जवाबदेही बढ़ाना, चुनावी प्रक्रिया में सुधार करना आदि है। (ii) निगरानी तंत्र में सुधार करना और बहु-राज्य सहकारी समितियों के लिए व्यवसाय करने में आसानी सुनिश्चित करना।
- **जैविक विविधता (संशोधन) विधेयक, 2023** का उद्देश्य (i) औषधीय पौधों की खेती को प्रोत्साहित करके जंगली औषधीय पौधों पर दबाव कम करना; (ii) भारतीय चिकित्सा पद्धति को प्रोत्साहित करना; (iii) जैविक विविधता पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन और इसके नागोया प्रोटोकॉल के उद्देश्यों से समझौता किए बिना भारत में उपलब्ध जैविक संसाधनों का उपयोग करते हुए अनुसंधान, पेटेंट आवेदन प्रक्रिया, अनुसंधान परिणामों के हस्तांतरण की तेजी से ट्रैकिंग की सुविधा प्रदान करना; (iv) कुछ प्रावधानों को अपराधमुक्त करना; (v) राष्ट्रीय हित से समझौता किए बिना अनुसंधान, पेटेंट और वाणिज्यिक उपयोग सहित जैविक संसाधनों की श्रृंखला में अधिक विदेशी निवेश लाना है।
- **खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2023** अन्वेषण लाइसेंस शुरू करने और परमाणु खनिजों की सूची से कुछ खनिजों को हटाने के लिए खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 में संशोधन करना चाहता है।
- **अपतटीय क्षेत्र खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2023** एक पारदर्शी और गैर-विवेकाधीन प्रक्रिया के माध्यम से परिचालन अधिकारों के शीघ्र आवंटन को सक्षम करने के लिए प्रतिस्पर्धी बोली द्वारा नीलामी के माध्यम से निजी क्षेत्र को उत्पादन पट्टा देने का प्रावधान करता है। इसके अलावा, विधेयक का उद्देश्य खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 की अन्य विशेषताओं को अपनाना, जैसे खनन प्रभावित व्यक्तियों के लिए ट्रस्ट की स्थापना और अन्वेषण को प्रोत्साहित करना, विवेकाधीन नवीनीकरण की प्रक्रिया को हटाना और पचास वर्षों की एक समान पट्टा अवधि प्रदान करना, समग्र की शुरुआत लाइसेंस, क्षेत्र सीमा का प्रावधान, समग्र लाइसेंस या उत्पादन पट्टे का आसान हस्तांतरण, आदि है।
- **वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2023** का उद्देश्य अन्य बातों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की भूमि में अधिनियम की प्रयोज्यता को स्पष्ट करके और अधिनियम के तहत अनुमोदन की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करके वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 में संशोधन करना है।
- **जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, 2023** छोटे अपराधों को अपराधमुक्त करने के अलावा, विधेयक अपराध की गंभीरता के आधार पर मौद्रिक दंड के युक्तीकरण की परिकल्पना करता है, जिससे विश्वास-आधारित शासन को बढ़ावा मिलता है। दस फीसदी की बढ़ोतरी की प्रस्ताव में एक और नवीनता शामिल है। विधेयक के कानून बन जाने पर, हर तीन साल की समाप्ति के बाद, जुर्माने और दंड की न्यूनतम राशि लगाई जाएगी
- **जन्म एवं मृत्यु का पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2023** पिछले पांच दशकों के दौरान समाज में प्रगतिशील परिवर्तनों को

समायोजित करने, पंजीकरण प्रक्रिया को लोगों के अनुकूल बनाने और पंजीकृत जन्म और मृत्यु के डेटाबेस का उपयोग करके राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर अन्य डेटाबेस को अपडेट करने का प्रयास करता है।

- **मध्यस्थता विधेयक, 2023** वाणिज्यिक या अन्यथा विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता, विशेष रूप से संस्थागत मध्यस्थता को बढ़ावा देने और सुविधाजनक बनाने, मध्यस्थता निपटान समझौतों को लागू करने, मध्यस्थों के पंजीकरण के लिए एक निकाय प्रदान करने और उससे जुड़े या उसके आनुषंगिक मामलों के लिए सामुदायिक मध्यस्थता को प्रोत्साहित करने और ऑनलाइन मध्यस्थता को स्वीकार्य और लागत प्रभावी प्रक्रिया बनाने का प्रयास करता है।
- **अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) विधेयक, 2023** सेना अधिनियम, अंतर-सेवा संगठनों के कमांडर-इन-चीफ या ऑफिसर-इन-कमांड को सशक्त बनाने का प्रयास करता है। यह ऐसा सेना अधिनियम, 1950, नौसेना अधिनियम, 1957 और वायु सेना अधिनियम, 1950 के अधीन व्यक्तियों के संबंध में, जो अनुशासन बनाए रखने और अपने कर्तव्यों के उचित निर्वहन के लिए उसकी कमान के तहत सेवा कर रहे हैं या उससे जुड़े हुए हैं, के तहत करता है।
- **भारतीय प्रबंधन संस्थान (संशोधन) विधेयक, 2023** (i) आईआईटी और राष्ट्रीय महत्व के अन्य संस्थानों को नियंत्रित करने वाले अधिनियमों के साथ आईआईएम अधिनियम के संरेखण का प्रावधान करना चाहता है। (ii) आईआईएम अधिनियम, 2017 की अनुसूची में एनआईटीआईई, मुंबई को शामिल करना और एनआईटीआईई, मुंबई का नाम बदलकर आईआईएम मुंबई करना।
- **राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग विधेयक, 2023** देश में दंत चिकित्सा के पेशे को विनियमित करने, गुणवत्तापूर्ण और किफायती प्रदान करने का प्रयास करता है; दंत चिकित्सा शिक्षा, उच्च गुणवत्ता वाली मौखिक स्वास्थ्य देखभाल को सुलभ बनाना और उससे जुड़े या उसके आकस्मिक मामलों के लिए।
- **राष्ट्रीय नर्सिंग और मिडवाइफरी आयोग विधेयक, 2023** का उद्देश्य नर्सिंग और मिडवाइफरी पेशेवरों द्वारा शिक्षा और सेवाओं के मानकों के विनियमन और रखरखाव, संस्थानों का मूल्यांकन, राष्ट्रीय रजिस्टर और राज्य रजिस्टरों का रखरखाव और पहुंच, अनुसंधान में सुधार के लिए एक प्रणाली का निर्माण करना है। इसका उद्देश्य नवीनतम वैज्ञानिक उन्नति का विकास करना और अपनाया जाना और उससे जुड़े या उसके आनुषंगिक मामलों के लिए भी कार्य करना है।
- **संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश (संशोधन) विधेयक, 2023** में छत्तीसगढ़ की अनुसूचित जाति की सूची में क्रमांक 33 में महार, मेहरा, मेहार के पर्यायवाची शब्द के रूप में महरा, महारा समुदाय को शामिल करने की मांग की गई है।
- **अनुसंधान राष्ट्रीय रिसर्च फाउंडेशन विधेयक, 2023** गणितीय विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और पृथ्वी विज्ञान, स्वास्थ्य और कृषि सहित प्राकृतिक विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के लिए उच्च स्तरीय रणनीतिक दिशा प्रदान करने के लिए अनुसंधान राष्ट्रीय रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना करता है और मानविकी और सामाजिक विज्ञान के वैज्ञानिक और तकनीकी इंटरफेस, ऐसे अनुसंधान के लिए और उससे जुड़े या उसके प्रासंगिक मामलों को बढ़ावा देने, निगरानी करने और आवश्यकतानुसार सहायता प्रदान करने के लिए कार्य करता है।
- **डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक, 2023** डिजिटल व्यक्तिगत डेटा के प्रसंस्करण को इस तरीके से प्रदान करने का प्रयास करता है जो व्यक्तियों के अपने व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के अधिकार और वैध उद्देश्यों के लिए व्यक्तिगत डेटा को संसाधित करने की आवश्यकता, दोनों पर ध्यान देता है और उससे संबंधित या उसके आनुषंगिक मामलों के लिए प्रावधान बनाता है।
- **तटीय एक्वाकल्चर प्राधिकरण (संशोधन) विधेयक, 2023** का उद्देश्य है: (ए) अधिनियम के प्रावधानों को संशोधित करना ताकि तटीय क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण के मूल सिद्धांतों को कमजोर किए बिना हितधारकों पर नियामक अनुपालन बोझ को कम किया जाना; (बी) अधिनियम के तहत अपराध (अपराधों) को अपराधमुक्त करना; (सी) सभी तटीय जलकृषि गतिविधियों को इसके दायरे में लाने के लिए अधिनियम के दायरे का विस्तार करना; और (डी) प्रभावी कार्यान्वयन के लिए अधिनियम में कठिनाइयों और नियामक अंतरालों को दूर करना और व्यापार करने में आसानी की सुविधा प्रदान करना।
- **फार्मेसी (संशोधन) विधेयक, 2023** यह प्रावधान करना चाहता है कि कोई भी व्यक्ति जिसका नाम जम्मू और कश्मीर फार्मेसी अधिनियम, 2011 के तहत बनाए गए फार्मासिस्ट के रजिस्टर में दर्ज किया गया है या उक्त अधिनियम के तहत निर्धारित योग्यता (चिकित्सा सहायक/फार्मासिस्ट) रखता है, उक्त अधिनियम के अध्याय IV के तहत तैयार और बनाए गए फार्मासिस्ट के रजिस्टर में दर्ज किया गया माना जाएगा, बशर्ते कि फार्मेसी (संशोधन) अधिनियम, 2023 के प्रारंभ से एक वर्ष की अवधि के भीतर इस संबंध में आवेदन किया जाए। ऐसी फीस के भुगतान पर किया जा सकता है, उस तरीके से, जैसा कि केंद्रशासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर की सरकार और केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के प्रशासन द्वारा निर्धारित किया जा सकता है। ■

सिटी बस संचालन के विस्तार हेतु 'पीएम-ई-बस सेवा' को मिली मंजूरी

169 शहरों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर 10,000 ई-बसें चलाई जाएंगी; योजना की कुल अनुमानित लागत 57,613 करोड़ रुपये होगी तथा 45,000 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर तैयार होने की उम्मीद

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 16 अगस्त को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर सिटी बस संचालन के विस्तार के लिए एक बस योजना 'पीएम-ई-बस सेवा' को मंजूरी दे दी, जिसके माध्यम से 10,000 ई-बसें चलाई जाएंगी। इस योजना की अनुमानित लागत 57,613 करोड़ रुपये होगी, जिसमें से 20,000 करोड़ रुपये का समर्थन केंद्र सरकार द्वारा प्रदान किया जाएगा। यह योजना 10 वर्षों तक बस संचालन का समर्थन करेगी।

यह योजना 2011 की जनगणना के अनुसार तीन लाख और उससे अधिक आबादी वाले शहरों को कवर करेगी, जिसमें केंद्रशासित प्रदेशों, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र और पर्वतीय राज्यों की सभी राजधानी शामिल हैं। इस योजना के तहत उन शहरों को प्राथमिकता दी जाएगी, जहां कोई सुव्यवस्थित बस सेवा उपलब्ध नहीं है।

योजना के तहत सिटी बस संचालन में लगभग 10,000 बसें चलाई जाएंगी, जिससे 45,000 से 55,000 प्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे। इस योजना के दो खंड हैं:

सिटी बस सेवाओं का विस्तार— 169 शहर

स्वीकृत बस योजना के माध्यम से सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर 10,000 ई-बसों के साथ सिटी बस संचालन का विस्तार किया जाएगा।

ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पहल— 181 शहर

इस योजना में बस की प्राथमिकता, बुनियादी सुविधा, मल्टीमॉडल इंटरचेंज सुविधाएं, एनसीएमसी-आधारित स्वचालित किराया संग्रह प्रणाली, चार्जिंग हेतु बुनियादी सुविधाएं आदि जैसी हरित पहल की परिकल्पना की गई है।

ई-मोबिलिटी को बढ़ावा

- यह योजना ई-मोबिलिटी को बढ़ावा देगी और बिहाइंड द मीटर इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए पूर्ण सहायता प्रदान करेगी।
- शहरों को ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पहल के तहत चार्जिंग सुविधाओं के विकास के लिए भी समर्थन दिया जाएगा।
- बस की प्राथमिकता वाले बुनियादी सुविधाओं के समर्थन से न केवल अत्याधुनिक, ऊर्जा कुशल इलेक्ट्रिक बसों के प्रसार में तेजी आएगी, बल्कि ई-मोबिलिटी क्षेत्र में नवाचार के साथ-साथ इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सशक्त आपूर्ति श्रृंखला के विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।
- इस योजना में ई-बसों का समूह तैयार करने को लेकर इलेक्ट्रिक बसों की खरीद के लिए व्यापक तौर पर अर्थव्यवस्था को भी अनुकूल बनाने की जरूरत होगी।
- इलेक्ट्रिक मोबिलिटी अपनाने से ध्वनि और वायु प्रदूषण कम होगा और कार्बन उत्सर्जन पर अंकुश लगेगा। ■

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'पीएम विश्वकर्मा' योजना को दी मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने 16 अगस्त को पांच साल की अवधि (वित्त वर्ष 2023-24 से वित्त वर्ष 2027-28) के लिए 13,000 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ एक केंद्रीय क्षेत्र की नई योजना 'पीएम विश्वकर्मा' को मंजूरी दी। इस योजना का उद्देश्य गुरु-शिष्य परंपरा या अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले कारीगरों व शिल्पकारों द्वारा पारंपरिक कौशल के परिवार-आधारित पेशे को मजबूत करना और बढ़ावा देना है।

इस योजना का उद्देश्य कारीगरों और शिल्पकारों के उत्पादों व सेवाओं की पहुंच के साथ ही गुणवत्ता में सुधार करने के साथ-साथ यह सुनिश्चित करना है कि विश्वकर्मा घरेलू और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के साथ जुड़ सकें। पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत कारीगरों और शिल्पकारों को पीएम विश्वकर्मा प्रमाण पत्र और पहचान पत्र के माध्यम से मान्यता प्रदान की जाएगी, 5 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर के साथ 1 लाख रुपये (पहली किश्त) और 2 लाख रुपये (दूसरी किश्त) तक ऋण सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना के तहत बाद में कौशल उन्नयन, टूलकिट प्रोत्साहन, डिजिटल लेन-देन के लिए प्रोत्साहन और विपणन सहायता प्रदान की जाएगी।

यह योजना पूरे भारत में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के कारीगरों व शिल्पकारों को सहायता प्रदान करेगी। पीएम विश्वकर्मा के तहत पहले चरण में अठारह पारंपरिक व्यवसायों को शामिल किया जाएगा। इन व्यवसायों में (i) बढ़ई (सुथार); (ii) नाव निर्माता; (iii) अस्त्र बनाने वाला; (iv) लोहार (v) हथौड़ा और टूल किट निर्माता; (vi) ताला बनाने वाला; (vii) गोल्डस्मिथ (सुनार); (viii) कुम्हार; (ix) मूर्तिकार (पत्थर तराशने वाला, पत्थर तोड़ने वाला); (x) मोची (चर्मकार)/जूता कारीगर; (xi) मेसन (राजमिस्त्री); (xii) टोकरी/चटाई/झाड़ू निर्माता/जूट बुनकर; (xiii) गुड़िया और खिलौना निर्माता (पारंपरिक); (xiv) नाई; (xv) माला बनाने वाला; (xvi) धोबी; (xvii) दर्जी और (xviii) मछली पकड़ने का जाल बनाने वाला शामिल हैं। ■

जन धन खातों की संख्या हुई 50 करोड़ से अधिक

कुल जन धन खातों में 56 प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं तथा ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में 67 प्रतिशत खाते खोले गए

बैंकों द्वारा प्रस्तुत नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार 9 अगस्त, 2023 तक जन धन खातों की कुल संख्या 50 करोड़ से अधिक हो गई। इन खातों में से 56 प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं और 67 प्रतिशत खाते ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं। इन खातों में जमा राशि 2.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक है और लगभग 34 करोड़ रुपे कार्ड जारी किए गए हैं। पीएमजेडीवाई खातों में औसत बैलेंस 4,076 रुपये और 5.5 करोड़ से अधिक पीएमजेडीवाई खातों को डीबीटी का लाभ मिल रहा है।

उल्लेखनीय है कि वित्तीय समावेशन पर राष्ट्रीय मिशन, जोकि प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के नाम से जाना जाता है, को 28 अगस्त, 2014 को शुरू किया गया था और इसने लगभग 9 वर्ष पूरे कर लिए हैं।

पीएमजेडीवाई योजना देश के वित्तीय परिदृश्य को बदलने में सफल रही है और वयस्कों को बैंक खातों की सुविधा प्रदान की गई। पीएमजेडीवाई की सफलता प्रौद्योगिकी, सहयोग और नवाचार के माध्यम से अंतिम छोर तक औपचारिक बैंकिंग प्रणाली को पहुंचाने के प्रयास के साथ योजना की व्यापक प्रकृति में निहित है।

पीएमजेडीवाई खाताधारकों को विभिन्न लाभ, जैसेकि न्यूनतम बैलेंस रखने की आवश्यकता के बिना बैंक खाता, 2 लाख रुपये के दुर्घटना बीमा वाला निःशुल्क रुपे डेबिट कार्ड और 10 हजार रुपये तक की ओवरड्राफ्ट फैसिलिटी प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनधन खातों में अर्जित महत्वपूर्ण उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। पीआईबी इंडिया के एक ट्वीट के उत्तर में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह देखकर प्रसन्नता हो रही है कि इनमें से आधे से अधिक खाते हमारी नारी शक्ति के हैं। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए 67 प्रतिशत खातों के साथ हम यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि वित्तीय समावेशन का लाभ हमारे देश के हर कोने तक पहुंचे। ■

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 14,903 करोड़ रुपये के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के विस्तार को दी स्वीकृति

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 16 अगस्त को डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के विस्तार को स्वीकृति दी। इसके लिए 14,903 करोड़ रुपये की धनराशि रखी गयी है। गौरतलब है कि नागरिकों को डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का शुभारम्भ 1 जुलाई, 2015 को किया गया था। यह कार्यक्रम अत्यधिक सफल साबित हुआ है।

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के विस्तार से निम्न लाभ होंगेः

- फ्यूचर स्किल प्राइम कार्यक्रम के अंतर्गत 6.25 लाख सूचना प्रौद्योगिकी पेशेवरों को पुनः कौशल से लैस किया जाएगा और उन्हें कौशल उन्नयन किया जाएगा।
- सूचना सुरक्षा और शिक्षा जागरूकता चरण कार्यक्रम के अंतर्गत 2.65 लाख व्यक्तियों को सूचना सुरक्षा के क्षेत्र में प्रशिक्षित किया जाएगा।
- यूनिफाइड मोबाइल एप्लिकेशन फॉर न्यू एज गवर्नेंस (उमंग) ऐप/प्लेटफॉर्म के अंतर्गत 540 अतिरिक्त सेवाएं उपलब्ध होंगी। भारत सरकार के निःशुल्क मोबाइल ऐप उमंग पर वर्तमान में 1,700 से अधिक सेवाएं पहले से ही उपलब्ध हैं।

9 और सुपर कंप्यूटर जोड़े जाएंगे

- राष्ट्रीय सुपर कम्प्यूटर मिशन के तहत 9 और सुपर कंप्यूटर जोड़े जाएंगे। यह पहले से तैनात 18 सुपर कम्प्यूटरों के अतिरिक्त हैं
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सक्षम बहु-भाषा अनुवाद उपकरण (वर्तमान में 10 भाषाओं में उपलब्ध) भाषिणी को सभी 22 अनुसूची और 8 भाषाओं में शुरू किया जाएगा
- राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क का आधुनिकीकरण किया जाएगा। इसमें 1,787 शिक्षण संस्थानों को जोड़ा जाएगा
- डिजीलॉकर के अंतर्गत डिजिटल दस्तावेज सत्यापन सुविधा मुहैया कराई जाएगी। अब यह सुविधा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों तथा अन्य संगठनों के लिए भी उपलब्ध होगी

टियर 2/3 शहरों में 1,200 स्टार्टअप्स

- टियर 2/3 शहरों में 1,200 स्टार्टअप्स को सहायता दी जाएगी।
- स्वास्थ्य, कृषि और टिकाऊ शहरों की आवश्यकताओं पर आधारित तीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएंगे।
- 12 करोड़ कॉलेज छात्रों के लिए साइबर-जागरूकता पाठ्यक्रम चलाये जाएंगे।
- उपकरणों के विकास और राष्ट्रीय साइबर समन्वय केंद्र के साथ 200 से अधिक साइटों के एकीकरण सहित साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में नई पहल शुरू की जाएगी। ■

प्रधानमंत्री मोदीजी का स्वतंत्रता दिवस भाषण एक उज्ज्वल भारत के लिए स्पष्ट आह्वान था

पीटी उषा

भारत के 77वें स्वतंत्रता दिवस पर मैं एक महिला खिलाड़ी जिसने अपना जीवन उत्कृष्टता की दिशा में प्रयास करते हुए बिताया है, ने एक ऐसा क्षण देखा जो इतिहास में गूंजता रहेगा। प्रतिष्ठित लाल किले से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 10वें संबोधन ने हमारे राष्ट्र की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ का संकेत दिया— एक ऐसा मोड़ जो हमारी राह को नया आकार देने की शक्ति रखता है। एक गहन पर्यवेक्षक और भारत की प्रगति में भागीदार के रूप में, मैं कह सकती हूं कि यह भाषण एक बयान से कहीं अधिक था; यह एक स्पष्ट आह्वान था जिसने परिवर्तन को प्रतिध्वनित किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के शब्दों में जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह थी उनकी प्रामाणिकता। उन्होंने हमें अदृश्य नागरिकों के रूप में संबोधित नहीं किया; उन्होंने हमसे 'परिवारजन' के रूप में बात की; अपने परिवार के सदस्यों के रूप में बात की। उत्साह के साथ उन्होंने कहा, "मैं आपके बीच से आता हूं और आपके लिए जीता हूं। अगर मेरा कोई सपना है तो वह आपके लिए है। अगर मुझे पसीना आता है, तो यह आपके लिए है। इसलिए नहीं कि आपने मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी है, बल्कि इसलिए कि आप मेरा परिवार हैं। आपके परिवार के सदस्य के रूप में मैं आपको किसी भी दुःख में नहीं देख सकता हूं, मैं आपके सपनों को टूटते हुए नहीं देख सकता।" यह घोषणा केवल भाषणबाजी नहीं थी; यह पारंपरिक नेतृत्व से एक अलग था, एक घोषणा थी कि सर्वोच्च पद सहानुभूति और संबंधों से बंधा हुआ था।

इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस आजादी का अमृत महोत्सव के समापन को चिह्नित करता है, एक उत्सव जो 12 मार्च, 2021 को साबरमती आश्रम से प्रधानमंत्री मोदीजी के उद्‌घाटन के साथ शुरू हुआ। यह उत्सव सिर्फ एक स्मरणोत्सव से कहीं अधिक है; यह एक पुनरुत्थान, एक 'अमृत काल' का प्रतीक है, जो नए दृढ़ संकल्प से परिपूर्ण है, जिसका लक्ष्य 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलना है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संबोधन में इतिहास, वर्तमान और भविष्य के धागों को सहजता से पिरोया। उन्होंने हमें याद दिलाया कि हमारे देश की भव्यता केवल ऐतिहासिक नहीं थी; यह लोकतंत्र की शक्ति और समान अवसर सुनिश्चित करने वाली अर्थव्यवस्था के वादे में भी है। उन्होंने हमसे आग्रह किया कि हम अपनी राह से विचलित न हों, क्योंकि दुनिया हमें लोकतांत्रिक इकाई और वैश्विक प्रगति के उदाहरण के रूप में देखती है।

उन्होंने उस क्षण को भी संजोया, जहां संभावना का दायरा वास्तविकता के दायरे से मिलाता है। भारत, गतिशील और दृढ़, वैश्विक मंच पर नवाचार और सहयोग के माध्यम से नेतृत्व करने के लिए तैयार है। हालांकि, यह भ्रष्टाचार से लड़ने, वंशवाद की राजनीति को खत्म करने और तुष्टीकरण के दाग को मिटाने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी की अटूट प्रतिबद्धता थी जो वास्तव में लोगों को पसंद आई। उन्होंने निर्विवाद उत्साह के साथ घोषणा की, "यह मेरी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता है कि मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ना जारी रखूंगा। दूसरे, वंशवादी राजनीति दलों ने हमारे देश को नष्ट कर दिया है। इस वंशवादी व्यवस्था ने देश को जकड़ लिया था और देश के लोगों के अधिकार छीन लिए थे। तीसरी बुराई है तुष्टीकरण।" ये शब्द सिर्फ एक उद्‌घोषणा नहीं हैं; वे एक नागरिकों की पुकार हैं, हमारे देश की नियति को नया आकार देने के उनके दृढ़ संकल्प का प्रमाण हैं।

यह आह्वान राजनीतिक भाषणों से आगे निकल गया। इसने नेतृत्व के मूल सार को प्रतिध्वनित किया— एकता और सामूहिक प्रयास का आह्वान; व्यक्तिगत लाभ से परे सिद्धांतों द्वारा निर्देशित होने का आह्वान। जैसाकि उन्होंने हमें अपने वादों के लिए जवाबदेह बनने का आह्वान किया, उन्होंने सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी के महत्व पर जोर दिया। उनके शब्द इस बात की याद दिलाते थे कि प्रभावी शासन सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं है; यह हमारे इतिहास के प्रति प्रतिबद्धता, हमारे वर्तमान के लिए एक सेवा और हमारे भविष्य के लिए एक विरासत थी।

जैसे ही हमारा देश 100वें वर्ष की ओर (2047 में 100वीं वर्षगांठ) अपनी यात्रा शुरू कर रहा है, ऐसे में प्रधानमंत्री मोदीजी के शब्द हमें सफलता की राह दिखाते हैं। संरचनात्मक सुधारों, आर्थिक विकास और सामाजिक समावेशिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता भारत की एक ऐसे राष्ट्र के रूप में तस्वीर पेश करती है जो विविधता, नवाचार और अपने नागरिकों की सामूहिक ताकत पर आगे बढ़ता है।

आने वाले समय में प्रधानमंत्री मोदीजी का संबोधन एक परिवर्तन बिंदु के रूप में हमारे सामने होगा है, एक ऐसा क्षण जब नेतृत्व एक दृष्टि और प्रतिबद्धता को व्यक्त करता है, जिसे लाखों लोग एक साथ अपनाते हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि किसी राष्ट्र की दिशा केवल नीतियों से तय नहीं होती; इसे अपने लोगों के जुनून, संकल्प और साझा सपनों से पिरोया गया है।

एक खिलाड़ी के रूप में जो जीत के रोमांच को जानता है, मैं उनके शब्दों में एक साझा जीत देखता हूं— जो हमें एक साथ आने और एक उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए प्रेरित करती है। ■

(लेखिका ओलंपियन और राज्यसभा सांसद हैं)

मोदी स्टोरी

दूसरों के साथ प्रधानमंत्री मोदीजी का अनुकरणीय व्यवहार

— अन्नामलाई

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अपनी विनम्रता और दूसरों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार के लिए जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी समय-समय पर उदाहरण देते हैं कि उच्च पदों पर बैठे व्यक्तियों को कैसे आचरण करना चाहिए और दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए।

सार्वजनिक क्षेत्र में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं जहां प्रधानमंत्री श्री मोदी का अपने साथी नागरिकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार स्पष्ट था। यहां तमिलनाडु से एक और उदाहरण है।

तमिलनाडु के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री अन्नामलाई चेन्नई की एक घटना को याद करते हैं जब प्रधानमंत्री श्री मोदी प्रदेश के दौरे पर थे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी चेन्नई में कुछ गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात कर रहे थे, तभी व्हीलचेयर पर बैठे दो वरिष्ठ नागरिक उनसे मिलने आये। उन्हें उस कमरे तक पहुंचने के लिए सीढ़ियों को पार करना था, जहां प्रधानमंत्री श्री मोदी अन्य लोगों से मुलाकात कर रहे थे।

जब प्रधानमंत्री श्री मोदी को उनसे मिलने आये इन वरिष्ठ नागरिकों के बारे में बताया गया, तो दोनों बुजुर्ग सज्जनों को कोई परेशानी न हो इसके लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी स्वयं बाहर आये। प्रधानमंत्री श्री मोदी दोनों वरिष्ठ नागरिकों से गर्मजोशी से मिले, उनसे बातचीत की और उन्हें उचित सम्मान दिया। वहां मौजूद किसी को एक पल के लिए भी नहीं लगा कि देश के प्रधानमंत्री दो सज्जनों से मिल रहे हैं।

मुलाकात के अंत में दोनों बुजुर्गों ने प्रधानमंत्री श्री मोदी से आशीर्वाद लेने की कोशिश की, लेकिन सभी को आश्चर्य हुआ जब प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उनके पैर छुए और उनका आशीर्वाद लिया। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी का एक और कार्य था, जिसने वहां मौजूद सभी लोगों के दिलों को छू लिया।

श्री अन्नामलाई का कहना है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी एक ऐसे नेता हैं जिनका हर कार्य पार्टी कार्यकर्ताओं और अन्य सभी लोगों के लिए एक सीख है। व्हीलचेयर पर बैठे दो वरिष्ठ नागरिकों के साथ उनका व्यवहार हमारे लिए सीखने लायक था और यह हमें यह भी बताता है, "शीर्ष पर बैठे व्यक्ति को दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए।" ■

कमल पुष्प

सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

कोमारगिरी कृष्ण मोहन राव

1960-1979

कृष्ण, नंदीगामा

जिला महामंत्री (संगठन)

नादिगामा शहर के श्री कोमारगिरी कृष्ण मोहन राव बाल स्वयंसेवक के रूप में रा.स्व. संघ के संपर्क में आए। बाद में, उन्होंने 1953-56 के दौरान अवनिगड्डा और नंदीगामा में संघ विस्तारक के रूप में अपने दायित्व का निर्वहन किया। इसके अलावा, उन्होंने 1967-75 के बीच कृष्णा जिले से श्रीकाकुलम जिले तक पार्टी के विस्तार के लिए काम किया। 1975 की आपातकालीन अवधि के दौरान उन्हें मीसा बंदी के रूप में 19 महीने तक जेल में रखा गया था। उन्होंने भूमि करों की वृद्धि के खिलाफ लड़ाई में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और विशाखा इस्पात आंदोलन, विशेष आंध्र आंदोलन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व वाले आंदोलन में भाग लिया। ■

जम्मू-कश्मीर में खचाखच भरे बख्शी स्टेडियम में लोगों ने मनाया जश्न

अब से पहले, जम्मू-कश्मीर में हड़ताल, प्रतिबंध और भय के कारण 15 अगस्त और 26 जनवरी के समारोह आम लोगों के लिए एक दु:स्वप्न हुआ करते थे, परंतु इस स्वतंत्रता दिवस पर पूरी घाटी में जश्न का माहौल था। श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में लगभग 5 वर्षों के अंतराल के बाद इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रीनगर में नवीनीकृत बख्शी स्टेडियम में लोगों की भारी भीड़ देखी गई, जो स्वतंत्रता दिवस समारोह देखने आए थे।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने 15 अगस्त को स्टेडियम के अंदर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। लगभग दो दशकों के अंतराल के बाद 77वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाने के लिए हजारों लोग श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में एकत्र हुए। श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में सभी उम्र के लोग राष्ट्रीय ध्वज लेकर खड़े थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दशकों के बाद बख्शी स्टेडियम में नागरिकों का यह सबसे बड़ा जमावड़ा था।

इस विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए श्री सिन्हा ने कहा, "जम्मू-कश्मीर में शांति और विकास का युग शुरू हो गया है। यह आम नागरिक की मानसिकता में आये बदलाव से दिखाई दे रहा है जो इस क्षेत्र की शांति और विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।"

इसी तरह, कई स्कूलों ने अपने दिन की शुरुआत ध्वजारोहण समारोह के साथ की। रिपोर्टों के अनुसार पूरे केंद्रशासित प्रदेश से लोगों को इस कार्यक्रम में भाग लेते देखा गया और इस वर्ष केंद्रशासित प्रदेश में हर जगह उत्सव मनाया गया। लाल चौक पर लोगों की लंबी कतारें थीं और उन्हें तिरंगा लहराते देखा गया। घंटाघर को राष्ट्रीय ध्वज के रंगों से रोशन किया गया। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : ....

पूरा पता : ....

....

.... पिन : ....

दूरभाष : .... मोबाइल : (1).............................. (2)..............................

ईमेल : ....

सदस्यता	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :.............................. दिनांक :.............................. बैंक : ....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें
डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003
फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

नई दिल्ली में 15 अगस्त, 2023 को 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्र को संबोधित करने से ठीक पहले लाल किला परिसर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 15 अगस्त, 2023 को 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किला परिसर में गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 15 अगस्त, 2023 को लाल किला परिसर में स्वतंत्रता दिवस समारोह के प्रतिभागियों के साथ बातचीत करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 15 अगस्त, 2023 को 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 16 अगस्त, 2023 को 'सदैव अटल' जाकर भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 29 अगस्त, 2023
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह